हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना, सोमवार, 16 मार्च 2026 | वर्ष : 5, अंक : 77 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

कुलदीप को बाबा बागेश्वर ने दिया आध्यात्मिक उपहार, पटकी और बालाजी का चित्र भेंट किया

मसूरी,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर कुलदीप यादव और उनकी बचपन की मित्र वंशिका के विवाह समारोह में अध्यात्म और खेल का अनूठा संगम देखने को मिला। मसूरी के प्रतिष्ठित सेवॉय होटल में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल शादी में सबकी नजरें बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर टिकी रहीं। बाबा बागेश्वर ने इस खास मौके पर दूल्हे कुलदीप यादव को दो अत्यंत विशेष और आध्यात्मिक उपहार भेंट कर उन्हें जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं। विवाह की रस्मों के बीच पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कुलदीप यादव को सबसे पहले बालाजी की पटकी पहनाई, जो सौभाग्य और दैवीय रक्षा का प्रतीक मानी जाती है। इसके साथ ही उन्होंने नवदंपति को बालाजी का भव्य चित्र भेंट किया। उपहार देने के बाद उन्होंने वैदिक रीति-रिवाजों के बीच वर-वधू पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। उपहारों का यह चयन कुलदीप की आस्था और बाबा बागेश्वर के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है। इस भव्य समारोह में क्रिकेट जगत के कई दिग्गज सितारे भी मौजूद रहे। युजवेंद्र चहल, रिंकू सिंह, सुरेश रैना, तिलक वर्मा, मोहम्मद कैफ और भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने शिरकत की। शनिवार शाम करीब पांच बजे धूमधाम से बारात निकाली गई, जिसमें मेहमानों ने ढोल-नगाड़ों की धुन पर जमकर डांस किया। रात आठ बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे संपन्न हुए, जिसमें कुलदीप और वंशिका पारंपरिक परिधानों में बेहद खुश नजर आए। शादी के मेन्यू में उत्तराखंड की संस्कृति की झलक साफ दिखाई दी। मेहमानों को मंडुवे की रोटी, लाल चावल, गहत की दाल, फाणु, चैंसू, कंडाली का साग और कुमाउंनी रायता जैसे शुद्ध पहाड़ी व्यंजन परोसे गए। साथ ही भांग की चटनी और झंगोरे की खीर ने अतिथियों का स्वाद दोगुना कर दिया। करीब 200 खास मेहमानों की मौजूदगी में संपन्न हुई इस शादी में बाबा बागेश्वर के इन उपहारों और उनकी उपस्थिति ने आध्यात्मिक आभा बिखेर दी, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

शाह ने गुवाहाटी में स्वास्थ्य क्षेत्र को दीं बड़ी सौगातें, शिलान्यास के साथ ही कई परियोजनाएं उद्घाटित

गुवाहाटी,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में की जा रही पहल की सराहना करते हुए कहा कि असम तेजी से बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि करीब दस वर्ष पहले असम की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद जर्जर स्थिति में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस सरकारों ने आम लोगों के स्वास्थ्य की पर्याप्त चिंता नहीं की। शाह ने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से अब स्थिति तेजी से बदल रही है और राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने लगन और दूरदर्शिता के साथ काम करते हुए असम की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे विकसित राज्यों के समकक्ष लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि राज्य में अत्याधुनिक प्रोटोन थेरेपी तकनीक स्थापित करने की तैयारी की जा रही है, जिसकी लागत लगभग 400 करोड़ रुपये होगी। यह तकनीक आम तौर पर बहुत महंगी होती है और अभी देश के किसी भी सरकारी अस्पताल

में उपलब्ध नहीं है। इसके लागू होने के बाद असम देश का पहला ऐसा राज्य बन जाएगा, जहां सरकारी कैंसर अस्पताल में प्रोटोन थेरेपी की सुविधा मिलेगी। शाह ने कहा कि गुवाहाटी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बने प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। इसके अलावा गोलाघाट और तीनसुखिया में कैंसर केंद्रों की स्थापना की जा रही है। साथ ही दीफू, बरपेटा और जोरहाट में नए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों तथा अभयापुरी जिला अस्पताल के शिलान्यास का कार्य भी किया गया है। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी इतनी बड़ी परियोजनाओं की शुरूआत असम को चिकित्सा सुविधाओं के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी मरीज इलाज के लिए बाहर न जाए और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों तथा पश्चिम बंगाल के गरीब मरीज भी असम आकर बेहतर इलाज प्राप्त कर सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में असम पूर्वोत्तर भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

खास / खबरे

अहमदाबाद विमान हादसाः अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद(एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं। पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं।दावे के मुताबिक, विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

अंधेरिया मोड़ नेचर बाजार में भीषण आग करीब 50 दुकानें हुई खाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अंधेरिया मोड़ स्थित नेचर बाजार में भीषण आग लगने से करीब 50 दुकानें जल गईं। दमकल की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। नई दिल्ली में 15 मार्च की सुबह अंधेरिया मोड़ स्थित नेचर बाजार में भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। आग की सूचना सुबह 7:37 बजे फायर कंट्रोल रूम को मिली, जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इस घटना में करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गईं, हालांकि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बता दें कि दिल्ली के लाडो सराय इलाके में स्थित अंधेरिया मोड़ के पास स्थित नेचर बाजार हैंडिक्राफ्ट और अन्य सामान बेचने वाली अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानों के लिए जाना जाता है। आग लगते ही बाजार परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही समय में लपटों ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। बता दें कि दिल्ली के लाडो सराय इलाके में स्थित अंधेरिया मोड़ के पास स्थित नेचर बाजार हैंडिक्राफ्ट और अन्य सामान बेचने वाली अस्थायी और अर्ध-स्थायी दुकानों के लिए जाना जाता है। आग लगते ही बाजार परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही समय में लपटों ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया।

कांशीराम जयंती पर राहुल गांधी ने किया नमन, कहा– बहुजन सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और समाज सुधारक कांशीराम की जयंती के अवसर पर देश के कई राजनीतिक नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांशीराम को नमन करते हुए कहा, कि कांग्रेस बहुजन समाज की भागीदारी, सम्मान और संविधान की रक्षा के लिए पहले भी खड़ी थी, आज भी है और आगे भी हमेशा खड़ी रहेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि बहुजन नायक कांशीराम का गरीबों, दलितों और वंचितों के अधिकारों के लिए किया गया संघर्ष और समर्पण देश के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि कांशीराम का मानना था कि संविधान ही दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों की असली ताकत है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में यह भी कहा कि आज संविधान खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबा साहेब के संविधान की शपथ

लेकर सत्ता में बैठे लोग ही उसे कमजोर करने में लगे हैं। राहुल गांधी के अनुसार कांशीराम की विरासत बताती है कि जब तक सत्ता में भागीदारी नहीं होगी, तब तक सामाजिक न्याय संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय का यह सपना अधूरा नहीं रहेगा। दलित, वंचित, शोषित और पिछड़े वर्ग को संगठित कियाः खड़गे इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कांशीराम को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने दलित, वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर उन्हें भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई में उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। हाशिये में खड़े लोगों को जगायाः तेजस्वी वहीं तेजस्वी यादव ने भी कांशीराम की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उन्होंने वंचित वर्गों के राजनीतिक एकीकरण और उत्थान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तेजस्वी यादव ने कहा कि कांशीराम ने समाज के हाशिए पर खड़े लोगों में सामाजिक और राजनीतिक चेतना जगाने का काम किया। उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर ही देश में समान विकास और सामाजिक समता स्थापित की जा सकती है। इस तरह से देशभर में कांशीराम की जयंती के अवसर पर विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा उन्हें याद करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

सरकार के सख्त दिशा-निर्देश जारी- डिब्बों या खुले बर्तनों में पेट्रोल-डीजल जमा करना पड़ेगा भारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर चल रही विभिन्न अटकलों के बीच प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर नागरिकों से पैनिक न करने की अपील की है। मंत्रालय ने आश्वस्त किया है कि देश भर के पेट्रोल पंपों और खुदरा विक्रेताओं के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, इसलिए घबराने या अनावश्यक भंडारण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि डिब्बे या खुले वर्तनों में डीजल पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपूर्ति की स्थिरता के साथ-साथ, सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पेट्रोलियम विभाग ने ईंधन की खरीद और भंडारण के संबंध में नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अधिकारियों ने नागरिकों को सख्त हिदायत दी है कि वे खुले बर्तनों, कांच की बोतलों या अनुपयुक्त प्लास्टिक के डिब्बों में ईंधन कतई न लें। प्रशासन के

अनुसार, असुरक्षित तरीके से ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण करना न केवल गैर-कानूनी है, बल्कि यह भीषण अग्नि दुर्घटनाओं और जन-धन की हानि का कारण बन सकता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता केवल अपनी जरूरत के अनुसार वाहनों के टैंक में ही ईंधन भरवाएं और घरों में इसका संचय न करें। नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल पंप संचालकों को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। देशभर के डीलरों से कहा गया है कि वे ईंधन वितरण के दौरान सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करें। यदि कोई पंप संचालक मानकों का उल्लंघन कर असुरक्षित कंटेनरों में पेट्रोल या डीजल भरते हुए पाया जाता है, तो प्रशासन द्वारा उसका लाइसेंस रद्द करने जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों को इन नियमों की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने अंत में स्पष्ट किया कि रिफाइनरियों से लेकर रिटेल आउटलेट्स तक की पूरी सप्लाई चेन सुचारू रूप से कार्य कर रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईंधन की उपलब्धता बनी रहे और सुरक्षा संबंधी किसी भी जोखिम को शून्य किया जा सके।

किसी भी संघर्ष में आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान की ओर से किए गए हालिया हवाई हमलों की कड़ी आलोचना की है। भारत ने कहा है कि इन हमलों में कई निर्दोष नागरिकों की जान गई है और नागरिक ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि इस तरह के हमले किसी भी देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ हैं। मंत्रालय ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताते हुए चिंता जताई कि इस घटना से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमलों में कई आम लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई घरों और अन्य नागरिक सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा है। भारत ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि किसी भी संघर्ष में आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता और उसकी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात हमेशा करता रहा है। भारत ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे अफगानिस्तान की स्वतंत्रता और स्थिरता को बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी से कदम उठाएं।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि ह्यऑपरेशन एपिक फ्यूरीह्न के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरूआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल

के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है। उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानों, सैन्य अड्डों, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई। चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी हैं, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

मुहिम: होर्मुज स्ट्रेट में फंसे हैं भारत के 22 जहाज, 4 में क्रूड ऑयल तो 6 में भरी है एलपीजी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की विभीषिका के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडराने लगा है। रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास भारत आने वाले 22 जहाज वर्तमान में फंसे हुए हैं। इन जहाजों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने उच्च स्तरीय कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। फंसे हुए इन जहाजों में 6 जहाज लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस, 4 कच्चे तेल के टैंकर और एक लिक्विफाइड नेचुरल गैस से लदा जहाज शामिल है। इतनी बड़ी मात्रा में ईंधन की आपूर्ति रुकने से घरेलू बाजार पर पड़ने वाले असर को देखते हुए विदेश मंत्रालय और शिपिंग मंत्रालय निरंतर निगरानी कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत इस समय खाड़ी सहयोग परिषद के देशों के साथ-साथ ईरान, अमेरिका और इजरायल जैसे प्रमुख पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता अपनी ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री मार्गों की निर्बाध आवाजाही को बनाए रखना है। दरअसल, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान की सुगबुगाहट के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अधिकांश

व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए यह मार्ग जीवन रेखा के समान है, क्योंकि दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में गैस आपूर्ति इसी संकरे जलमार्ग से होकर गुजरती है। हालांकि, भारत की सक्रिय कूटनीति के कुछ सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले हैं। हालिया शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, भारतीय ध्वज वाले दो विशाल गैस कैरियर शिवालिक और नंदा देवी होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर ओमान की खाड़ी में पहुंच चुके हैं। इन दोनों जहाजों में कुल मिलाकर 92 हजार टन से अधिक एलपीजी लदी हुई है, जो अगले कुछ दिनों में गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है। ईरान के राजदूत ने भी संकेत दिए हैं कि तेहरान ने विशेष संबंधों को देखते हुए कुछ भारतीय जहाजों को मार्ग देने की अनुमति प्रदान की है, जिससे आंशिक राहत मिली है। वर्तमान में भारत ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें हाल ही में ईरान को भी शामिल किया गया है। भारत इस मंच का उपयोग कर पश्चिम एशिया संकट पर बहुपक्षीय सहमति बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि क्षेत्रीय तनाव को कम किया जा सके। शिपिंग मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि बाकी बचे 22 जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन विभिन्न देशों के साथ चल रही वार्ता से उम्मीद जगी है कि जल्द ही आपूर्ति श्रृंखला बहाल हो जाएगी। भारत की यह कूटनीतिक सक्रियता न केवल उसके आर्थिक हितों की रक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि वैश्विक समुद्री व्यापार की स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एक नजर

फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड 2026 का आयोजन 17 मार्च को

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। कृषि क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 17 मार्च 2026 को पटना के ज्ञान भवन में फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बिहार और झारखंड के प्रगतिशील किसानों, वैज्ञानिकों तथा कृषि से जुड़ी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने खेती में नई तकनीक, नवाचार और सतत कृषि मॉडल के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है। दिल्ली प्रेस के फार्म एन फूड मीडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री प्रमोद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे चयनित किसानों और अन्य विजेताओं को सम्मानित करेंगे। आयोजकों के अनुसार दिल्ली प्रेस की पत्रिका फार्म एन फूड का उद्देश्य किसानों को आसान भाषा में कृषि की नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराना है। पत्रिका के माध्यम से कृषि नवाचार, फूड प्रोसेसिंग, कृषि मशीनरी और आधुनिक खेती के तरीकों पर विशेष फोकस किया जाता है। आयोजकों का मानना है कि किसान देश की रीढ़ हैं और उन्हें मजबूत बनाने के लिए कृषि को एक बड़े रोजगार के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में खेती-किसानी से जुड़े लगभग 36 किसानों, वैज्ञानिकों, पशुपालकों, पत्रकारों और अन्य कृषि विशेषज्ञों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड यह दशार्ता है कि देश के किसान आधुनिक तकनीक, प्राकृतिक खेती, वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग और बेहतर मार्केटिंग के माध्यम से कृषि को लाभकारी बना रहे हैं। यह सम्मान न केवल किसानों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि अन्य किसानों को भी नई तकनीक और नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

कट्टा लहराते वीडियो वायरल करने वाले दो युवक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। कट्टा लहराते हुए वीडियो वायरल करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गोगरी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को लोडेड हथियार के साथ पकड़कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गोगरी थानाध्यक्ष परशुराम सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। जांच के दौरान वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान की गई। पहचान होने के बाद मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से दोनों युवकों को लोडेड हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को गोगरी थाना लाया गया, जहां पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवकों में एक की पहचान राटन गांव निवासी कुमोद यादव के पुत्र हिमांशु कुमार तथा दूसरे की पहचान राटन निवासी स्व. शंकर तांती के पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

इनर व्हील क्लब बोधगया द्वारा बोधगया में स्वच्छता अभियान चलाया

दैनिक बिहार पत्रिका

बोधगया। स्वच्छता भारत अभियान के तहत इनर व्हील क्लब ऑफ बोधगया और पीपुल फर्स्ट एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट ने जापान से आए लोगों के साथ मिलकर बोधगया में स्वच्छता अभियान चलाया गया है। उन्होंने सड़कों पर झाड़ू लगाई और कचरा उठाया है। इसके बाद, शाक्यमुनि कॉलेज से महाबोधि मंदिर तक 200 नीम और पीपल के पेड़ लगाए। इस संयुक्त प्रयास ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। डॉ. वीणा पाठक, अध्यक्ष, इनर व्हील क्लब ऑफ बोधगया , ने कहा कि स्वच्छ रहने से ही स्वास्थ्य अच्छा होगा और इसके लिए सफाई और पौधरोपण बहुत जरूरी है। हरे-भरे पौधे वातावरण को शुद्ध करते हैं और शुद्ध हवा प्रदान करते हैं, जिससे जीवन में सहायता मिलती है। इस कार्यक्रम में जापान से आए लोगों ने भी भाग लिया और स्वच्छता अभियान में अपना योगदान दिया है। यह संयुक्त प्रयास पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मददगार साबित होगा। इस कार्यक्रम में क्लब की सेक्रेटरी डॉ अर्चना कुमारी, कोषाध्यक्ष गोपा सिंहा, आई पी पी वीणा सिंहा, हर्षा सिंहा आदि उपस्थित थे।

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निदेर्शों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेर्शों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

केंद्रीय समिति द्वारा गया शहर की सभी झंडा समितियों के साथ बैठक कर जिला प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निदेर्शों से उन्हें अवगत करा दिया गया है ।- राजू वर्णवाल

गया शहर भगवा ध्वजों से होगा अलंकृत, रामनवमी शोभायात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारी.

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी ।आगामी राम नवमी के पावन अवसर पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप देने के उद्देश्य से श्री राम नवमी केंद्रीय पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक धर्मसभा भवन, गया में सम्पन्न हुई। बैठक में पूरे शहर को भगवा ध्वजों से सजाने, शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाने तथा सभी समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया है। इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति के कार्याध्यक्ष क्षितिज मोहन सिंह ने कहा कि इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर गया शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मर्गों एवं मंदिरों को भगवा ध्वजों और धार्मिक सजावट से अलंकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अनुसार शहर के प्रत्येक मुहल्ले में भगवा ध्वज लगाए जाएंगे, जिससे संपूर्ण शहर में धार्मिक आस्था, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण का संचार होगा। उन्होंने सभी झंडा समितियों एवं आयोजन समितियों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 20 तारीख तक प्रशासन से आवश्य लाइसेंस प्राप्त कर लें, ताकि शोभायात्रा के आयोजन में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा उत्पन्न न हो। इस बैठक में मातृ शक्ति की सक्रिय भागीदारी को लेकर भी विशेष चर्चा हुई है। निर्णय लिया गया कि महिला टीम गया शहर के विभिन्न मुहल्लों में संपर्क अभियान चलाकर मातृ शक्ति को शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेगी। साथ ही उनसे आग्रह किया जाएगा कि वे भारतीय पारंपरिक परिधान एवं सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ शोभायात्रा में भाग लेकर इसे और अधिक गरिमामय और भव्य बनाएं। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष राजू वर्णवाल ने

जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय समिति द्वारा गया शहर की सभी झंडा समितियों के साथ बैठक कर जिला प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निदेर्शों से उन्हें अवगत करा दिया गया है। उन्होंने सभी नगर मंत्रियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों के मंदिरों में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए, जिससे रामनवमी का पर्व पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा सके। समिति के उपाध्यक्ष हिमांशु कुमार ने बताया कि इस वर्ष की शोभायात्रा में देश के लगभग 16 राज्यों से कलाकार शामिल होंगे, जो अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शोभायात्रा की भव्यता को और बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार विशेष रूप से इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि शोभायात्रा में भाग लेने वाले सभी कलाकार हिंदू संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हों। इसके साथ ही आदि शंकर की भव्य प्रतिमा इस वर्ष शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण होगी। इस बैठक के अंत में समिति के मीडिया प्रभारी सूरज सिंह ने बताया कि अगली बैठक 22 तारीख को धर्मसभा भवन में आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 17 तारीख को अनुमंडल पदाधिकारी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रशासनिक तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा के मार्गों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आयोजन शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और भव्य तरीके से सम्पन्न हो। इस बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि इस वर्ष गया की रामनवमी शोभायात्रा को भव्यता, अनुशासन और सांस्कृतिक वैभव के साथ ऐतिहासिक बनाया जाएगा, ताकि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन सके। इस मौके पर डॉ जयदीश शर्मा, क्षितिज मोहन सिंह, समिति के अध्यक्ष राजू वर्णवाल,संजू साव,कौशलेंद्र कुमार,मणिलाल वारिक, भोला पटेल,हिमांशु कुमार,शशिकांत मिश्रा, मनीष सिंह,चंदन भदानी, राजू रजक,सुनील बम्बइया, सीमा सिन्हा, मुन्ना बजरंगी, कमाल वारिक, शशि कुमार चौरसिया, नवीन कुमार, शिशुपाल जी,अमित मोहन मिश्रा,बिगन बिस्कर्म,अजय कुमार राजू, बबलू आर्य,मुन्ना सिंह, राहुल कुमार,सूरज सिंह,गुंजन सिंह,वीणा गिरी,बीना गिरी,ममता गिरी,अर्पणा मिश्रा,करुणा सिंह,अर्पणा सिन्हा,इंदु प्रजापति,संगीता सिंह,रूपेश वर्मा,प्रताप सिंह,प्रशांत कुमार,गोले लाल जी आदि मौजूद रहे हैं.

जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप, पीड़ित ने थाना में दिया आवेदन

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के बाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत करहरिया पंचायत के पिपरा ब्रमपुर गांव में जमीन पर अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। जमीन मालिक ने गांव के कुछ लोगों पर दबंगई दिखाकर जमीन पर कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़ित प्रमोद शर्मा ने रविवार को बाथ थाना में लिखित आवेदन देकर बताया कि गांव के ही सुरेश शर्मा, तीरपोल शर्मा, प्रमानंद शर्मा, ध्रुव शर्मा तथा उनकी पत्नी किरण देवी, सुधा देवी और पुत्र सुमित कुमार ने दबंगई दिखाते हुए उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित के अनुसार पूर्व में इन लोगों के बीच जमीन का आपसी बंटवारा हो चुका था। आरोप है कि उक्त लोगों ने

अपनी जमीन गांव के ही गुरु प्रसाद मिस्त्री और निर्मला देवी को बेच दी थी। रहने की जगह नहीं होने के कारण गांव में आपसी समझौते के तहत चारों भाइयों को रहने के लिए दस-दस धूर जमीन दी गई थी। प्रमोद शर्मा का कहना है कि अब उक्त लोग उनकी खाली जमीन पर कब्जा कर मकान बना रहे हैं तथा रास्ता और कुआं को भी बंद कर दिया है। विरोध करने पर सभी आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने बताया कि ग्राम कचहरी में बुलाने पर भी आरोपियों ने सरपंच महेंद्र कर्मा के साथ दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें भी धमकी दी।

मामले में उन्होंने एसडीओ को आवेदन देकर धारा 144 लगाने की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल भी की। इसके बावजूद आरोप है कि दबंग लोग अभी भी जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

यूपीएससी पास करने वाली वैष्णवी को सम्मानित करते रॉकी यादव

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी ।युवा नेता राकेश रंजन उर्फ रॉकी यादव बेलागंज प्रखण्ड के दादपुर गांव पहुँचकर संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा में बेलागंज का झंडा बुलंद करने वाली दादपुर निवासी होनहार बिटिया, बहन सुश्री वैष्णवी के सम्मान समारोह में शामिल हुआ तथा वैष्णवी को गुलदस्ता और शॉल देकर सम्मानित किया, साथही अपनी माँ बेलागंज विधायिका मनोरमा देवी के तरफ से वैष्णवी को आईपैड देकर शुभकामनाएँ प्रेषित किया, रॉकी यादव ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा की बहन वैष्णवी की यह उपलब्धि हमारे क्षेत्र के युवा साथियों के लिए बड़ी प्रेरणा है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इनसे सीख लेकर हमारे क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा शिक्षा और परिश्रम के बल पर नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें तथा समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। दादपुर की बिटिया की यह गौरवशाली उपलब्धि पूरे बेलागंज और गयाजी जिले के लिए गर्व का विषय है। बहन वैष्णवी को उज्ज्वल भविष्य के लिए पुनः हार्दिक शुभकामनाए।

विपक्ष की मांग: पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और यहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलवक्त तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने

बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं। जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल हैं। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है।कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

रामनवमी पर खेल प्रदर्शन को लेकर व्यायामशाला मंत्रियों की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के गोगरी नगर परिषद क्षेत्र स्थित छोटी चक प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में क्षेत्र की सभी व्यायामशालाओं के मंत्रियों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी रामनवमी के शुभ अवसर पर भगवान इंटर हाई स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले खेल प्रदर्शन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि क्षेत्र की सभी व्यायामशालाओं के मंत्री अपने-अपने खिलाड़ियों के साथ भगवान इंटर हाई स्कूल के मैदान में एकत्रित होकर शांतिपूर्ण तरीके से खेल प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कार्यक्रम को सफल और अनुशासित ढंग से आयोजित करने पर भी सहमति बनी।

इस अवसर पर मायाराम मंडल, चंद्रशेखर शर्मा, रंजीत मालाकार, रामविलास पासवान, काकू कुमार, अनंत पासवान, पवन कुमार पासवान, सनोज मिश्र, अजीत मिश्रा, मिथिलेश पासवान, राहुल जायसवाल, मनोज कुमार, मुन्ना, रितिकांत ठाकुर, बबलू सिंह, अनुपम पंडित, भोली पोद्दार, अरविंद पोद्दार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट को लेकर ऐसा ऑफर दे रहा रुस क्या भारत कर पाएगा मना

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना फाइटर जेट्स की कमी को पूरा करने के लिए फ्रांस के साथ 114 राफेल फाइटर जेट को लेकर डील करने की तैयारी में है। उसके बावजूद भारत की सबसे बड़ी टेंशन 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट को लेकर है क्योंकि चीनी एयरफोर्स पहले से ही जे-20 और जे-35 जैसे लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रही है। खबर आ रही हैं कि चीन, पाकिस्तान के साथ 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स को लेकर डील कर सकता है। वहीं भारत को 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए अमेरिका और रूस से ऑफर मिला है, हालांकि अब तक इस लेकर कोई हामी नहीं भरी है। इस बीच रूस की ओर से भारत को एसयू-57एम1ई के लिए ऐसा ऑफर दिया है, इसके बाद भारत को मना करना मुश्किल भरा होगा। रूस ने भारत को एसयू-57 स्टेल्थ फाइटर जेट का अपडेटेड वाला वर्जन ऑफर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के अधिकारियों की हाई लेवल की मीटिंग में रूस की ओर से डबल सीट वाले इस एसयू-57 को लेकर ऑफर दिया गया है। मॉस्को की ओर से दिए गए प्रस्ताव में फुल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और सोर्स कोड देना भी शामिल है, जिस तरह ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों का दिया गया है। रूस की योजना है कि भारत फिफ्थ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट (एफजीएफए) को फिर से पटरी पर लाया जाए, जिसमें दोनों देश मिलकर इसका उत्पादन कर सकते है। खबरों के मुताबिक, रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने एक योजना का विस्तृत विवरण दिया है, जिसके तहत

भारत को 5वीं पीढ़ी के इस फाइटर जेट के महत्वपूर्ण सामानों का निर्माण घरेलू स्तर पर करने की अनुमति मिलेगी। इस प्रस्ताव में काफी महंगी टेक्नोलॉजी शामिल है, जैसे अगली पीढ़ी के इंजन, रडार सिस्टम और अपडेटेड ऑप्टिकल सेंसर, सोर्स कोड तक पहुंच, जिससे ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों जैसे स्वदेशी भारतीय हथियारों को एकीकृत करना संभव हो सकेगा। बता दें कि भारत ने साल 2018 में बढ़ती लागत, भारतीय इंजीनियरों को कम कार्य दिए जाने और फाइटर जेट की स्टेल्थ क्षमता और इंजन प्रदर्शन पर शक का हवाला देकर इस कार्यक्रम से खुद को अलग कर लिया था। उसके बाद से ही भारतीय वायु सेना (आईएफए) ने एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट को प्राथमिकता दी है। हालांकि एएमसीए प्रोटोटाइप की पहली उड़ान 2029 तक प्रस्तावित है और बड़े पैमाने पर उत्पादन 2030 के दशक के मध्य तक होने की उम्मीद नहीं है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय वायु सेना को मॉडर्न बनाए रखने के लिए कम से कम दो स्क्वाड्रन (40) फाइटर जेट की डील कर सकती है, लेकिन उसकी प्राथमिकता एएमसीए ही रहेगा।

बैजानी में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज

अभिषेक अग्रवाल, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के जगदीशपुर प्रखंड अंतर्गत बैजानी गांव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। समृद्धि यात्रा के तहत 17 मार्च को मुख्यमंत्री के यहां आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अब तक जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम की आधिकारिक तिथि की पुष्टि नहीं की गई है। मुख्यमंत्री की जनसभा को ध्यान में रखते हुए गांव में भव्य जर्मन हैंगर पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है, जहां मुख्यमंत्री के संबोधन की संभावना है। इसके साथ ही सभा स्थल के ठीक बगल में हेलीपैड भी तैयार किया जा रहा है, ताकि हेलीकॉप्टर के माध्यम से उनके आगमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। हालांकि कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन स्थानीय स्तर पर 17 मार्च को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर चचार्एं तेज हो गई हैं और क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

झांसा दे 13 हजार रुपया लेकर हुआ फरार

पटना सिटी/संवाददाता। बैंक में रुपया जमा कराने जा रही युवती शोभा कुमारी को झांसा में ले रुपया उड़ा दिया। उच्चकों ने उनसे खुदरा लेने का झांसा देकर 13 हजार श लेकर भाग निकला। पीड़िता ने चौक थाना में इसकी सूचना दी है। पुलिस को बताया कि वह करमलीचक स्थित घर से 17 हजार रुपया लेकर इंडियन बैंक में जमा करने के लिए आ रही थी। रास्ते में एंक व्यक्ति ने कहा कि मुझे खुदरा पैसे की आवश्कता है। बातों को फंसा कर उसने हाथ से रुपया ले लिया। इसके बाद हाथ में चार हजार रुपया पकड़ा कर 13 हजार लेकर फरार हो गया। चौक थाना की पुलिस ने शनिवार को बताया कि कांड दर्ज मामले की छानबीन की जा रही है।

दो लोगों से मोबाइल झपटमारी कर हुआ फरार

पटना सिटी/संवाददाता। बाइक सवार अपराधियों ने दो लोगों से मोबाइल झपटमारी कर फरार हो गया। दोनों घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र की है। भागवत नगर निवासी राजन कुमार सिंह ने बताया कि जीरो माइल के पास से गुजरते समय बाइक सवाद दो अपराधी समीप आए और शर्ट से मोबाइल झपट कर फरार हो गया। दोनों हेलमेट लगा रखा था। पुलिस ने बताया कि उक्त बाइक का नंबर मिला है, जिसके आधार पर छानबीन की जा रही है। भागवत नगर निवासी जय प्रसाद के साथ भी मोबाइल झपटमारी जीरो माइल के समीप ही हुई है। बाइक सवार बदमाश ओवरटेक कर आगे बढ़ा और पॉकेट से मोबाइल झपट कर फरार हो गया। अगमकुआं थाना की पुलिस ने बताया कि दोनों कांड में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

ऑटो सवार का उचक्को ने सोने का चैन उड़ाया

पटना सिटी/संवाददाता। ऑटो पर यात्री के वेश में सवार उच्चकों ने सुरेश प्रसाद की सोने का चेन उड़ा लिया। रामकृष्ण नगर पुलिस ने उक्त एफआइआर को पीड़ित से लेकर अगमकुआं थाने को जांच-पड़ताल के लिए भेज दिया है। पुलिस को बताया कि बिहारशरीफ से लौट कर जीरो माइल के पास ऑटो पर सवार हुए थ। उस पर पहले से दो लोग पूर्व से सवार थे। कुछ दूर चलने पर चालक ने एक और व्यक्ति को बैठा लिया। फ्लाईओवर के पास चालक ने कहा कि चक्का आवाज कर रहा है। इसके बाद चालक के बगल में बैठे व्यक्ति को पीछे बैठने के लिए भेज दिया और सुरेश प्रसाद को ऑटो से उतार दिया। इसके बाद ऑटो लेकर चालक फरार हो गया। इस बीच देखा कि गले से 15 ग्राम का सोने चेन गायब है। अगमकुआं थाने की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

भक्तों ने सुनी शिव पुराण कथा

पटना सिटी/संवाददाता। दीवान मुहल्ला सीढ़ी घाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में शिव महापुराण कथा का श्रवण भक्तों ने किया।गंगा दर्शन समिति की ओर से आयोजित कथा में गंगोत्री धाम से पधारे संत ओम प्रकाश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक पूजन के बाद कथा कही। आयोजन में अतुल श्रेष्ठ, पुष्पा प्रसाद, अनिल श्रीवास्तव, शेखर झा, मनीष कुमार, संजय यादव, विकास यादव, सौरव, चुन्नू, बंटी, मुन्ना माली, रविंद्र कुमार मिश्र आदि सक्रिय हैं।

गायघाट पुल के नीचे से अवैध 25 झोपड़ियों को किया ध्वस्त

पटना सिटी/संवाददाता।अनुमंडल प्रशासन एवं पटना नगर निगम अजीमाबाद अंचल की ओर से गायघाट पुल के नीचे लगातार चौथे दिन शनिवार को भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चला। लगभग 25 झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया।इसको लेकर अतिक्रमणकारियों मे हड़कंप मच गया। अतिक्रमणकारी इसका विरोध करने की कोशिश किए, पर पुलिस ने ऐसे लोगों को खदेड़ दिया। नगर निगम अजीमाबाद अंचल के अतिक्रमण प्रभारी बिट्टू कुमार ने बताया कि पहले टूटी झोपड़ी को कुछ लोग फिर से बनाने की कोशिश कर रहे थे। फिर से आबाद झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया। खाली जगह की घेराबंदी कर दी गई है। एसडीओ सत्यम सहाय व एसडीपीओ ने इसकी मानिटरिंग करते रहे। मजिस्ट्रेट के रूप मे गंगा प्रसाद सिंह, सुनील कुमार एवं नगर निगम अजीमाबाद अंचल की कार्यपालक पदाधिकारी श्रेया शामिल थीं। इस संबंध मे एसडीओ सत्यम सहाय ने बताया कि खाली जगह पर ग्रीन जोन विकसित किया जाएगा।

हत्या, लूट व हत्या के प्रयास में चार गिरफ्तार, पूछताछ के बाद भेजा जेल

पटना सिटी/संवाददाता। आलमगंज थाना क्षेत्र के बेरियर के पास चाकू मार कर वेंडर जीतू कुमार की हत्या करने के मामले में सन्नी कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार से बस से उतरे यात्री कुणाल कुमार सिंह को चाकू मार लूटपाट करने के मामले में आलमगंज थाना की पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। लूटपाट के मामले में गिरफ्तार पीतांबरा मंदिर कॉलोनी निवासी अजय कुमार पिता सत्येंद्र पासवान और बजरंगपुरी निवासी गोलू उर्फ बैनी पिता स्व अनिल प्रसाद को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल पुलिस ने जब्त किया है। वेंडर जीतू की हत्या के मामले में पुलिस ने सन्नी कुमार पिता स्व विगन सहनी को गिरफ्तार किया है। उसने बताया कि पूर्व में किसी बात को लेकर हुए विवाद में जीतू ने इसे ईंट से मारा था। इसी बात को लेकर उसने उसकी हत्या की है। दूसरी ओर दीदारगंज थाना की पुलिस ने मारपीट व हत्या के प्रयास के आरोपित हीरानंदपुर निवासी सागर कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

यक्ता नॉलेज फोरम की दावत-ए-इफ्तार में सैकड़ों रोजेदार शामिल, भाईचारे का दिया संदेश.

फुलवारी शरीफ, पवित्र माह-ए-रमजान के मौके पर पटना में यक्ता नॉलेज फोरम की ओर से दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के सैकड़ों रोजेदारों और गणमान्य लोगों ने शिरकत कर रोजा इफ्तार किया. कार्यक्रम का माहौल आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और एकता के संदेश से सराबोर रहा. इस अवसर पर यक्ता नॉलेज फोरम के चेयरपर्सन सैयद सैफुल्लाह कादरी ने कहा कि फोरम का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है. उन्होंने बताया कि संस्था ऐसे बच्चों को पढ़ाई में सहयोग करती है ताकि वे आगे चलकर मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे उच्च स्तर की पढ़ाई कर समाज में बेहतर मुकाम हासिल कर सकें. उन्होंने कहा कि रमजान का महीना आपसी सहयोग, भाईचारा और इंसानियत का पैगाम देता है, इसलिए इस तरह के आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं. इफ्तार के इस आयोजन में धार्मिक, सामाजिक और बुद्धिजीवी वर्ग के कई लोग मौजूद रहे. इस मौके पर मौलाना अनिसुर रहमान कासमी, मौलाना शिबली कासमी, मो. शौकत अली, सबुही सलीम, मो. अल्ताफ हुसैन (सचिव), मो. अमीर रजा, मुकुल सिन्हा (सीए), प्रदीप कुमार, गौरव कुमार, पवन कुमार, प्रवीन कुमार, परशुत्तम कुमार, डॉ. रईस, आरटीडी डीआईजी अब्दुल्लाह, डॉ. सादिक रजा और शमीम साहब समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे. कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने देश में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की. आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं.

एआई के उपयोग से भूमि विवादों के निबटारे में आयेगी तेजी : विजय

पटना। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राजस्व प्रशासन को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए ही नयी तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। एआई के प्रयोग से भूमि विवादों से जुड़े मामलों के निष्पादन में तेजी आयेगी। साथ ही लोगों को समय पर न्याय मिल सकेगा। सभी डीसीएलआर और डाटा इंट्री ऑपरेटरों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करने की दिशा में विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि एआई तकनीक पर आधारित कार्यशाला के आयोजन से राजस्व कार्यों में और पादर्शिता आयेगी। इस मौके पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह और गोपाल मीणा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए भूमि सुधार उपसमाहताओं को राजस्व कार्यों में तकनीक के बढ़ते महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग से न केवल कार्यों में गति आयेगी, बल्कि आम नागरिकों को भी समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध करायी जा सकेंगी। उन्होंने इस मौके पर बीएलडीआर एक्ट तथा म्यूटेशन अपील से संबंधित मामलों में समय पर सुनवाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस मौके पर साइबर एक्सपर्ट ने भी अधिकारियों और डाटा इंट्री ऑपरेटरों को एआई आधारित सुरक्षित कार्यप्रणाली के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल सिस्टम के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि सरकारी डाटा सुरक्षित रहे और कार्यप्रणाली निर्बाध रूप से संचालित हो सके। इस मौके पर भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत, अपर सचिव आजीव वत्सराज, उप निदेशक मोना झा, विशेष कार्य पदाधिकारी मणि भूषण किशोर, सुधा रानी, सोनी कुमारी, नवाजिश अख्तर, उप सचिव डॉ. सुनील कुमार सिंह तथा आईटी मैनेजर आनंद शंकर उपस्थित थे।

जौनपुर में पत्रकार एकता की नई पहल: राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सांसद बाबू सिंह कुशवाहा से की शिष्टाचार भेंट

जौनपुर। जनपद की राजनीतिक और पत्रकारिता जगत में उस समय हलचल तेज हो गई जब राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा एवं पूर्व ग्राम प्रधान रामसूरत मौर्य उर्फःर्तेजूः ने जौनपुर के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात बेहद आत्मीय और सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई, जहाँ श्री सुरेश कुमार शर्मा ने सांसद बाबू सिंह कुशवाहा को स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान दोनों के बीच पत्रकारों की वर्तमान परिस्थितियों, उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा पत्रकार संगठनों की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और एकजुटता को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि आज के समय में पत्रकारों को एक ऐसे सशक्त मंच की आवश्यकता है। जो बिना किसी भेदभाव के उनकी आवाज को मजबूती से उठाए और उनके सम्मान तथा सुरक्षा के लिए प्रभावी भूमिका निभाए। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा आयोग लगातार पूरे प्रदेश में पत्रकारों को एक मंच पर लाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यही कारण है। कि प्रदेश के अनेक जनपदों में तेजी से पत्रकार इस संगठन से जुड़ रहे हैं। और इसे अपनी आवाज का मजबूत मंच मान रहे हैं। राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी इस मुलाकात को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारों का मानना है। कि पत्रकारों के अधिकार और सुरक्षा के मुद्दे पर यदि इस तरह का संवाद और सहयोग आगे बढ़ता रहा तो आने वाले समय में पत्रकारिता जगत में एक नई एकजुटता और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस मुलाकात के बाद पत्रकारों के बीच चर्चा का माहौल गर्म हो गया है। और यह संदेश साफ तौर पर सामने आया है। कि पत्रकारों की एकता और सम्मान के लिए राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा आयोग तेजी से एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रहा है

त्रिशूर में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कैट छात्र सम्मेलन 2026

त्रिशूर, 14 मार्च । त्रिशूर में शनिवार को नेशनल सीएटी स्टूडेंट्स कन्वेंशन 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 1000 योग्य सीएटी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सीएमए टी.सी.ए. श्रीनिवास प्रसाद तथा सीएटी कमेटी के चेयरमैन सीएमए राजेंद्र सिंह भाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अपने मार्गदर्शन से उन्हें प्रेरित किया। सम्मेलन के दौरान सीएटी कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रैंक होल्डर छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सीएटी कोर्स के विकास और प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्रेष्ठ चैप्टर्स और आरओसीसीएस को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने, अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने और संस्थान के साथ अपने संबंध को और मजबूत करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत इन प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन में उत्साह और आनंद का वातावरण भर दिया।

अलबक्शपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5000 लीटर से अधिक अर्धनिर्मित देशी शराब और भट्टियां नष्ट.

फुलवारी शरीफ : पटना जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र के अलबक्शपुर गांव में पुलिस ने देशी शराब के खिलाफ बड़ी छापेमारी कार्रवाई करते हुए 5000 लीटर से अधिक अर्धनिर्मित शराब को नष्ट कर दिया. इस दौरान शराब बनाने के लिए चल रही कई भट्ठियों को भी ध्वस्त कर दिया गया. गौरीचक थाना अध्यक्ष ट्रेनिंग आईपीएस सुषमा सागर के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पुलिस ने जमीन में डब्बों में गाड़ कर छिपाकर रखे गए हजारों लीटर अर्धनिर्मित शराब को बाहर निकाल कर बहा दिया. छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में जावा, महुआ और गुड़ भी बरामद किया गया, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया. पुलिस ने बताया कि शराब बनाने के लिए जमीन के अंदर डब्बों में छिपाकर कच्चा माल और अर्धनिर्मित शराब रखा गया था. छापेमारी के दौरान करीब सौ लीटर तैयार देशी शराब भी जब्त की गई. थाना अध्यक्ष ट्रेनिंग आईपीएस सुषमा सागर ने बताया कि क्षेत्र में शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

वृद्ध की ईंट से मार कर हत्या करने वाला बेटा को छह घंटे में गिरफ्तार

-खोजी कुत्ता सिम्बा ने आरोपी के घर पहुंचाया, जमीन को ले था विवाद

पटना सिटी/संवाददाता। मालसलामी थाना क्षेत्र के शरीफागंज में जमीन के विवाद में 80 वर्षीय वृद्ध विजेंद्र प्रसाद सिंह की हत्या ईंट-पत्थर से प्रहार कर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर डीएसपी डॉ गौरव कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल को सुरक्षित कराया। साथ ही एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया। यह कामयाब रहा। डॉग स्क्वायड टीम में रहा डॉगी, जिसका नाम सिम्बा था, उसने अपराधी तक पहुंचाने में पुलिस की खासा मदद की। घटनास्थल सूंघ लेने के बाद वह सीधे आरोपी के घर पर पहुंच गया। पुलिस ने विजेंद्र सिंह के पुत्र रमेश कुमार को पकड़ लिया और थाना पर लाकर पूछताछ की। रमेश ने पिता की हत्या किए जाने की बात स्वीकार कर ली साथी बताया कि घटना को अंजाम देने में उसके साथ एक सहयोगी भी था उसने उसका नाम और पता भी पुलिस को बताया है। डीएसपी डॉ गौरव कुमार ने बताया कि हत्या की सूचना मिलने के बाद पहले मालसलामी थाना की पुलिस एएसएचओ अंकित कुमार पुलिस पदाधिकारी एवं बल के साथ पहुंचे। जांच के दौरान घटनास्थल को सुरक्षित कराया गया। मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। इसी बीच घटनास्थल पर एफएसएल और डॉग स्क्वाउड की टीम जांच पड़ताल को पहुंची। इस दौरान डॉग स्क्वायड में शामिल डॉग सिम्बा ने हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपित बेटा के घर पहुंचा। डीएसपी ने बताया कि ईंट भट्ठा पर मुंशी का कार्य करने वाले विजेंदर प्रसाद का शव भट्ठा के पास ईंट-पत्थर से कुचला मिला था। वह प्रतिदिन सुबह मुंशी का काम करने ईंट-भट्ठा पर जाया करते थे। उनका हत्यारा बेटा रमेश भी दूसरे ईंट-भट्ठा पर मुंशी का काम करता है। पिता और बेटा के बीच जमीन और संपति को लेकर विवाद चल रहा था। गिरफ्तार रमेश के खिलाफ महिला उत्पीड़न और हत्या के प्रयास का मामला पहले से दर्ज है। वह अक्सर माता-पिता से झगड़ा करता था। इसी विवाद में उसने घटना को अंजाम दिया है। छापेमारी टीम में प्रभारी सो अंकित कुमार के अलावा एसआई अविनाश कुमार, सुमित कुमार, एएसआई संजय कुमार आदि शामिल थे।

पटना में आईएसओपीएआरबी राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्रों की शुरूआत

पटना।इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिनेटोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी के 41 वें राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्रों की शुरूआत आज होटल मौर्य, पटना में हुई। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए डॉक्टर और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं, जो गर्भावस्था, प्रसव और नवजात शिशु देखभाल से जुड़े विषयों पर चर्चा कर रहे हैं।यह सम्मेलन आयोजन अध्यक्ष डॉ. उषा शर्मा और आयोजन सचिव डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन समारोह शाम को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधश न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू उपस्थित रहे। इसके बाद रिसेप्शन कमेटी की अध्यक्ष डॉ. मंजू गीता मिश्रा ने स्वागत संबोधन दिया, जबकि आयोजन अध्यक्ष डॉ. उषा शर्मा ने सम्मेलन के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन को संगठन की अध्यक्ष डॉ. सुलेखा पांडे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. हीरालाल कोनार ने अध्यक्ष निर्वाचित के रूप में अपना अध्यक्षीय भाषण दिया और डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी ने महासचिव की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उद्घाटन समारोह के दौरान न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू द्वारा सम्मेलन के वैज्ञानिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. पूर्ण चंद्र महापात्रा। ने सम्मेलन स्मारिका का विमोचन किया, जबकि न्यूजलेटर का विमोचन डॉ. सुलेखा पांडे और डॉ. हीरालाल कोनार द्वारा किया गया। संस्था जर्नल का विमोचन संपादक-इन-चीफ डॉ. सुकुमार बारिक ने किया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण डॉ. मंजू गीता मिश्रा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना रहा। उन्हें यह सम्मान प्रसूति एवं मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। दिनभर चले वैज्ञानिक सत्रों में विशेषज्ञों ने गर्भावस्था की जटिलताओं, प्रसव प्रबंधन, मातृ मृत्यु की रोकथाम और नवजात शिशु देखभाल में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा कई कीनोट व्याख्यान भी दिए गए। इनमें डॉ. उषा शर्मा, डॉ. एम. जी. मिश्रा, डॉ. हीरालाल कोनार, डॉ. गंगाधर साहू, डॉ. ससिकला कोला और डॉ. नारायण जना शामिल थे, जिन्होंने प्रसूति एवं प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे नए विकासों पर अपने विचार रखे।

लाइफटाइम अचीमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए आनंद मोहन

पटना सिटी/संवाददाता। डब्ल्यूएए सलेक्शन बोर्ड की ओर से दिल्ली के हयात इंटरनेशनल होटल में आयोजित समारोह में मानवाधिकार संघ के सदस्य और यहां के चौक स्थित हीरानंद शाह गली निवासी आनंद मोहन झा को सामाजिक कार्य में सराहनीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया है। देशभर के 112 प्रतिभागियों के बीच सम्मान के लिए बिहार से श्री झा का चयन हुआ। यह सम्मान क्रिकेट बोर्ड के सदस्य पूर्व गेंदबाज चेतन शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट जनरल व सीबीआई के अधिकारियों के हाथों प्रदान किया गया। इससे पहले बैंकाक में इंटनरेशनल अवार्ड से आनंद मोहन झा सम्मानित हो चुके हैं। सम्मान मिलने पर बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष अनिल सुलभ, अतुल श्रेष्ठ, तख्तश्री कमेटी के सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन के साथ सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने खुशी जतायी है।

(चिंतन-मनन)

एक प्रवाह है जीवन

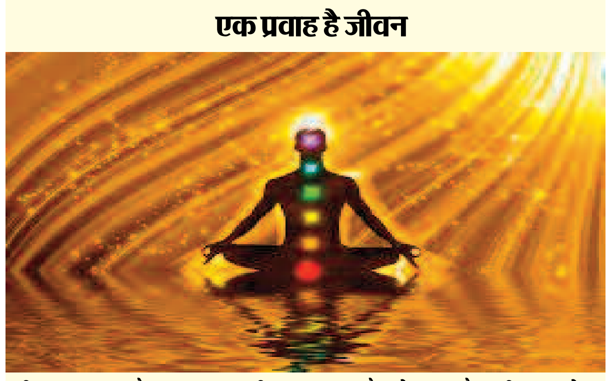

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती। संसार की संपूर्ण सुख-सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है। शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे-मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन-शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशत्रे कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

ट्रम्प की टैरिफ राजनीति और भारत के खिलाफ आर्थिक दबाव की नई रणनीति

वैश्विक व्यापार की राजनीति अक्सर केवल आर्थिक हितों तक सीमित नहीं रहती बल्कि इसके पीछे भू-राजनीतिक रणनीतियां और शक्ति संतुलन की जटिल चालें भी छिपी होती हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत और चीन सहित 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ तथाकथित अनुचित व्यापार व्यवहार की जांच शुरू करना इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही यह नीति केवल व्यापारिक नियमों का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा में बढ़ते देशों को नियंत्रित करने का प्रयास भी मानी जा रही है। पिछले महीने अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया था। यह फैसला प्रशासन की व्यापारिक रणनीति के लिए बड़ा झटका माना गया। इसके बाद ट्रम्प प्रशासन ने नया कानूनी रास्ता खोजते हुए ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत जांच की प्रक्रिया शुरू की। इस प्रावधान के तहत अमेरिका को यह अधिकार मिलता है कि यदि किसी देश पर अनुचित व्यापार व्यवहार का आरोप साबित होता है तो वह उस देश के खिलाफ एकतरफा टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिका का आरोप है कि कुछ देश अपनी घरेलू जरूरत से अधिक उत्पादन करते हैं और उस अतिरिक्त माल को सस्ते दामों पर वैश्विक बाजार में बेचते हैं। इसे डंपिंग कहा जाता है। साथ ही अमेरिका यह भी दावा करता है कि कई देश सरकारी सब्सिडी देकर अपने उत्पादों को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाते हैं ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में आगे रह सकें। अमेरिका का यह भी कहना है कि कुछ देश अपनी मुद्रा को कमजोर बनाए रखते हैं जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा मिलता है और अमेरिकी कंपनियों को नुकसान होता है। हालांकि इस पूरे मामले को केवल आर्थिक तर्कों के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं तेजी से वैश्विक व्यापार और उत्पादन के केंद्र बन रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है और कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर रुख कर रही हैं। ऐसे समय में अमेरिका द्वारा इस प्रकार की जांच शुरू करना कई विशेषज्ञों को रणनीतिक दबाव की नीति जैसा प्रतीत होता है। ट्रम्प प्रशासन की यह नीति दरअसल अमेरिका फर्स्ट के उस सिद्धांत से जुड़ी है जिसे ट्रम्प ने अपने राजनीतिक अभियान का आधार बनाया था। उनका मानना रहा है कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था ने अमेरिकी उद्योगों और कामगारों को नुकसान पहुंचाया है। इसी सोच के तहत उन्होंने पहले भी कई देशों पर टैरिफ लगाए थे और व्यापारिक समझौतों को दोबारा बातचीत के लिए मजबूर किया था। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह नीति वैश्विक व्यापार के लिए अस्थिरता पैदा करती है। यदि अमेरिका अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ लगातार टैरिफ का इस्तेमाल करता है तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव बढ़ेगा। इसका असर केवल संबंधित देशों पर ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत के संदर्भ में यह मामला और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। भारत सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। ऐसे समय में यदि बड़े बाजार भारत के निर्यात पर टैरिफ लगाने लगते हैं तो इससे भारतीय उद्योगों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। हालांकि यह भी सच है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक कूटनीति को मजबूत किया है। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि एक बड़ा उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं जैसी नीतियों ने वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है। इसके अलावा भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं जिससे उसके निर्यात के नए रास्ते खुल रहे हैं। अमेरिका द्वारा शुरू की गई इस जांच में भारत के अलावा चीन यूरोपीय संघ जापान दक्षिण कोरिया मैक्सिको वियतनाम ताइवान थाईलैंड मलेशिया कंबोडिया सिंगापुर इंडोनेशिया बांग्लादेश स्विट्जरलैंड और नॉर्वे जैसे देश भी शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल किसी एक देश के खिलाफ नहीं बल्कि व्यापक वैश्विक व्यापार रणनीति का हिस्सा है। आने वाले समय में इस जांच की प्रक्रिया के तहत विभिन्न देश और कंपनियां अपनी दलीलें प्रस्तुत करेंगे। मार्च से इस प्रक्रिया की शुरूआत होगी और मई में सुनवाई के बाद अमेरिका कोई फैसला ले सकता है। यदि अमेरिका को अपने आरोपों के समर्थन में पर्याप्त आधार मिल जाता है तो वह इन देशों पर नए टैरिफ लागू कर सकता है। फिर भी कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी प्रक्रिया वास्तव में दबाव की रणनीति हो सकती है जिसका उद्देश्य व्यापारिक वार्ता में बेहतर शर्तें हासिल करना है। अमेरिका अक्सर इस तरह की जांच और टैरिफ की धमकी का उपयोग अपने व्यापारिक साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए करता रहा है। भारत के लिए इस स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत कूटनीतिक और आर्थिक रणनीति अपनाए। भारत को अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा और घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत बनाना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपने अधिकारों की रक्षा करना भी जरूरी होगा। अंततः यह स्पष्ट है कि वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। बड़े देश अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए नए नए औजारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे इन दबावों के बीच भी अपनी विकास यात्रा को जारी रखें और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत जगह बनाएं।

ईरान पर हमला: साम्राज्यवाद ने एक बार फिर अपने पंजे निकाले

ईरान पर इजराइल और संयुक्त राज्य अमरीका का हमला अत्यंत विनाशकारी साबित हुआ है। अधिकांश युद्धों की तरह, यह युद्ध भी अत्यंत बर्बर है। जंग शुरू करने का बहाना यह बनाया गया कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का शासन अत्यंत क्रूर है, वहां महिलाओं के अधिकारों को कुचला जा रहा है और वह देश परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। दूसरी ओर, ईरान बातचीत करने और उसके दौरान उभरे मुद्दों पर पीछे हटने को तैयार था। बातचीत के दौरान ही इजराइल-अमेरिका गठबन्धन ने लड़ाई शुरू करने का फैसला कर लिया। युद्ध के शुरूआती दौर में उन्होंने ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। खामेनेई की उनके परिवार के कुछ सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई और एक स्कूल पर बमबारी में 165 नन्हीं बच्चियां मारी गईं। गठबंधन ने कई बेकसूर नागरिकों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा ईरानी नौसेना का एक जहाज, जो भारत के निमंत्रण पर नौसेनिक अभ्यास के लिए भारत आया था, पर अमरीकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने टारपीडो से हमला किया जिसमें जहाज पर मौजूद कई नौसेनिक मारे गए और जहाज डूब गया। ईरान ने साहस के साथ जवाबी कार्यवाही करते हुए अमरीका-इजराइल गठबंधन को काफी नुकसान पहुंचाया। इस सारे घटनाक्रम के दौरान भारत की भूमिका देश की नई विदेश नीति के बारे में आंखें खोलने वाली है। भारत गुटनिरपेक्ष हुआ करता था और उसके ईरान से अत्यंत सौहार्दपूर्ण संबंध थे। दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान होता था। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युद्ध शुरू होने के ठीक पहले इजराइल पहुंचे। हमें नहीं पता कि उनकी यात्रा का उद्धेश्य क्या था। उन्हें इजराइल के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया गया और मोदी ने कहा कि भारत इजराइल के अच्छे-बुरे समय में उसका साथ देगा। इसके अगले दिन गठबंधन ने ईरान पर हमला कर दिया। मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत पर ट्वीट नहीं किया और एक खोखला-सा वक्तव्य जारी किया जिसमें हमलावर और हमले के शिकार दोनों में कोई अंतर नहीं बताया गया था। प्रधानमंत्री के रवैये से यह एकदम साफ हो गया कि भारत तटस्थ नहीं है बल्कि वह अमरीका-इजराइल गठबंधन के साथ है। अब अमेरिका पर वापिस लौटें। हम 1950 के दशक से अमेरिका की कारगुजारियां देख रहे हैं। उसकी भूमिका अपने राजनैतिक और आर्थिक लक्ष्यों की खातिर दूसरे देशों के आतंरिक मामलों में दखलअंदाजी करने की रही है। पहले उसका प्रमुख नारा हुआ करता था कम्युनिज्म से दुनिया को बचाओ जिसके बहाने वह युद्ध छेड़ता रहता था। इस सिलसिले की शुरूआत वियतनाम के साथ हुई थी। वियतनाम फ्रांस का उपनिवेश हुआ करता था। हो ची मिन्ह के नेतृत्व में कम्युनिस्ट सेना ने फ्रांस की सत्ता को उखाड़ फेंका और एक लंबी और जटिल राजनैतिक प्रक्रिया के नतीजे में वियतनाम 17वीं अक्षांश रेखा को सीमा मानकर दो देशों - कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम और पूंजीवादी दक्षिण वियतनाम - में बंट गया। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ भीषण युद्ध छेड़ दिया जिसमें करोड़ों डालर खर्च हुए। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों, नेपाम (गाढ़ा पेट्रोल) और एजेंट ऑरेंज (शक्तिशाली खरपतवार नाशक) का भी इस्तेमाल किया। एजेंट ऑरेंज के उपयोग का उद्धेश्य था जंगलों में पेड़-पौधों की पत्तियों और घास को नष्ट करना ताकि वियतकांग (वियतनामी जनता द्वारा स्थापित की गई सेना) के लिए छिपने की जगह न बचे। नेपाम से बड़ी संख्या में लोगों को जलने के गंभीर घाव हो गए। एजेंट आरेंज से भी कई लोगों के खेत और फसलें बर्बाद हो गईं और पशुओं को भी जान गंवानी पड़ी। वियतनाम की जनता हो ची मिन्ह के साथ थी। वियतकांग ने गोरिल्ला युद्ध करते हुए जीत हासिल की और अमेरिका ही हार हुई। उसके पांच लाख से भी अधिक सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। एक नए और युवा राष्ट्र से हारने के कारण अमरीका का मनोबल मिट्टी में मिल गया। वियतनाम युद्ध ने यह एकदम स्पष्ट कर दिया कि जो भी अमेरिका की स्वतंत्र विश्व के नाम से पेश की जा रही उसके हितों तो स्सधने वाली विचारधारा के खिलाफ होगा, वह उसे परास्त करने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बात की पुष्टि आने वाले समय में कई बार हुई जब अमरीका ने एक के बाद एक कई देशों पर इस या उस बहाने से हमला किया। ईरान इसका उदाहरण है। ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही उसके पास तेल का अकूत भंडार है। यही कारण है कि पश्चिमी देशों की नजरें उस पर टिकी रही हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमरीका और ब्रिटेन दोनों की ईरान में बड़ी मौजूदगी थी। युद्ध के बाद भी इंग्लैंड ने एंग्लो-ईरानियन आयल कंपनी के जरिये ईरान के तेल पर अपना कब्जा बनाये रखा। वह अपने हितों के लिए ईरान के तेल का इस्तेमाल करता रहा। फिर 1951 में मोसादेग की राष्ट्रवादी और चुनी हुई सरकार मे संसद में प्रस्ताव पारित कर देश के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार, मोसादेग की सरकार के खिलाफ हो गई और उसके विरोधियों को भड़काने लगी। ब्रिटेन और अमरीका ने मिल कर चुनी हुई मोसादेग सरकार के खिलाफ विद्रोह करवाकर अपने पिट्ठू रजा शाह पहलवी की सरकार स्थापित करवा दी। इससे तेल के भंडारों और तेल के व्यापार पर पश्चिमी ताकतों का नियंत्रण बना रहा इसी तरह चिली में सल्वाडोर अलेंदे की हत्या कर दी गई और उनकी प्रजातान्त्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। अलेंदे मार्क्सवादी थे और सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य थे। वे 3 नवम्बर 1970 को चिली के राष्ट्रपति बने। उन्होंने अमरीकी कंपनियों के कब्जे वाले देश के तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। अमरीका ने 1970 से लेकर 1973 में अलेंदे के तख्तापलट तक उनके खिलाफ गुप्त अभियानों पर 80 लाख डॉलर खर्च किए। सन 1975 में जारी सीनेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमरीका ने चिली को आर्थिक संकट में फंसाने के लिए कई कदम उठाए। सीआईए के समर्थन और सहयोग से हुए सैन्य विद्रोह के जरिये वहां पिनोचे की सरकार सत्ता में आई। पिनोचे अत्यंत क्रूर तानाशाह था और उसने चिली में प्रजातंत्र खत्म कर दिया। उसकी नीतियों के कारण चिली के समृद्ध देश बनने की संभावनाएं भी खत्म हो गईं। अमरीकी साम्राज्यवाद ने पश्चिम एशिया में भी कहर बरपाया। सोवियत संघ के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद, अमरीका ने पाकिस्तान के मदरसों में मुजाहिद तैयार करने की व्यवस्था की। उनसे तालिबान और अलकायदा बने। अमरीका ने इन संगठनों को 800 करोड़ डॉलर और 7000 टन हथियार उपलब्ध करवाए (महमूद ममदानी की पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम)। 9/11 ने अमरीका को अफगानिस्तान पर हमला करना का मौका दे दिया। इस हमले में 60,000 लोग मारे गए। पूरे इलाके पर अपना दबदबा कायम करने के लिए अमरीका ने इराक पर हमले के लिए भी एक बहाना खोज लिया। कहा गया कि इराक के पास बड़े पैमाने पर नुकसान करने वाले हथियार हैं। अमरीकी सैनिकों को बताया गया कि इराक के लोग सद्दाम हुसैन के दमन का शिकार हैं और इसलिए इराक में उनका स्वागत मुक्तिदाताओं के रूप में किया जाएगा। अमरीकी सैनिकों को लोग गुलदस्ते और चॉकलेट देंगे। मगर हुआ और कुछ। इस्लामिक स्टेट उठ खड़ा हुआ, कोई महासंहारक अस्त्र नहीं मिला और ना ही सैनिकों का जनता ने स्वागत किया। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद ने उसके शिकार देशों और पूरी दुनिया को गहरे घाव दिए हैं। भारत में अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति ने सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत किया जिसके नतीजे हम आज भी भुगत रहे हैं। अमरीका के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द को गढ़ा और उसे लोकप्रियता दी। नतीजे में पूरी दुनिया में मुसलमानों का दानवीकरण हुआ। उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के कारण पूरी दुनिया आज अनेक समस्यओं से जूझ रही है। हम केवल यह उम्मीद कर सकते हैं कि दुनिया साम्राज्यवाद से असली चरित्र को समझेगी और शांति को बढ़ावा देगी।

दावों और घोषणाओं से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार लगातार मजबूती और तेज विकास के बड़े-बड़े दावे करती है। लेकिन हाल के आर्थिक संकेतक एक अलग ही तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट बनी हुई है। बैंकों में धन कम जमा हो रहा है। लोग बैंकों से पैसे निकाल कर सोने-चांदी में निवेश कर रहे हैं। निर्यात में लगातार गिरावट, विदेशी मुद्रा प्रवाह में कमी, शेयर बाजार की तेज गिरावट और बढ़ती महंगाई ने आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पिछले तीन महीनों में भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी 50 में लगभग 10,000 अंकों की गिरावट दर्ज हुई है। इससे निवेशकों में घबराहट का माहौल बना है। विदेशी निवेशक शेयर बजार से बाहर निकल गये हैं। वित्तीय संस्थाओं को शेयर बाजार की गिरावट से भारी नुकसान हुआ है। देश के प्रमुख बैंक, बीमा कंपनियां और म्यूचुअल फंड विशेषकर भारतीय जीवन बीमा निगम का बहुत बड़ा निवेश शेयर बाजार और कॉर्पोरेट क्षेत्र में है। बाजार गिरने से इन संस्थाओं को भारी नुकसान हुआ है। जिससे वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। इस बीच कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों की वृद्धि ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ

डाल दिया है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई और चालू खाते के घाटे से भारतीय अर्थव्यवस्था दिन-प्रतिदिन चिंता को बढ़ा रही है। निर्यात व्यापार में गिरावट और प्रवासी भारतीयों से आने वाली विदेशी मुद्रा में कमी ने भी स्थिति को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। यदि यही स्थिति जारी रही तो रोजगार के अवसरों पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। बेरोजगारी तथा महंगाई दोनों बढ़ सकती हैं। जिसका सबसे ज्यादा असर भारत की जीडीपी पर होगा। इन परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार द्वारा आपातकालीन आर्थिक प्रबंधन के लिए एक लाख करोड़ रुपये का फंड तैयार करने की घोषणा की गई है। जो इस बात का संकेत देती हैं, भारत सरकार और वित्तीय संस्थाओं को संभावित आर्थिक संकट का अहसास हो चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है, यदि वित्तीय संस्थाओं और बैंकों का नुकसान शेयर बाजार की गिरावट से बढ़ता है तो इसका प्रभाव आम जमाकताओं तक भी पहुंच सकता है। अर्थ- विशेषज्ञों के अनुसार आर्थिक संकट केवल वित्तीय आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता को भी प्रभावित करता है। ऐसे समय में भारत सरकार को पारदर्शी आर्थिक नीति, निवेश को प्रोत्साहन, निर्यात में वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए गंभीर दूरगामी प्रयास आवश्यक हैं। वास्तविक स्थिति के विपरीत दावों और घोषणाओं से अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती है। इसके लिए सरकार को ठोस और विश्वसनीय नीतिगत स्तर पर आर्थिक निर्णय लेने होंगे। सरकार को उद्योगों और रोजगार को बढ़ाने, आम जनता का विश्वास बैंकों और वित्तीय संस्थाओं पर बना रहे। अर्थ व्यवस्था को लेकर सरकारी अधिकारियों की जबावदेही तय करने के साथ विपक्षी दलों को वर्तमान स्थिति में विश्वास में लेना होगा। यदि ऐसा नही हुआ तो भारत को कई अन्य मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार और विपक्ष के बीच जिस तरह का टकराव और अविश्वास देखने को मिल रहा है, यह भारत की अर्थ-व्यवस्था को लेकर और भी चिंता बढ़ाने वाला है।

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने?

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया? सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है। देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढऩे या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्त्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में

रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्त्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है।

इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है। घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति शृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोडऩा जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।इसके अलावा सरकार को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। च्च्लोकल फॉर वोकलज्ज् जैसी पहल तभी सफल होगी जब उपभोक्ता भी स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।घरेलू उत्पादन बढ़ाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योग, किसान और उपभोक्ता—सभी की साझा भागीदारी से ही यह संभव है। यदि सही नीतियों और जनसहयोग के साथ प्रयास किए जाएँ, तो भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूत स्थान बना पाएगा।

शिमला शहर में संपत्ति कर में होगी बढ़ोतरी, ...तो जीडीपी के आधार पर फैसला लेगा नगर निगम

शिमला, एजेंसी। राजधानी शिमला में संपत्ति कर में बढ़ोतरी की दर के लिए नगर निगम प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। शिमला में संपत्ति कर में कितनी बढ़ोतरी होगी, इसका फैसला 20 मार्च को तय किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से बजट सत्र के दौरान आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा और इसके आधार पर हिमाचल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आंकड़ा सामने आएगा। इसी जीडीपी के आधार पर नगर निगम शिमला में संपत्ति कर की दरों में बढ़ोतरी की प्रतिशतता तय की जाएगी। केंद्र सरकार के नियमों के तहत स्थानीय निकायों को आय बढ़ाने के लिए हर साल संपत्ति कर में संशोधन करना होता है। इसी प्रक्रिया के तहत शिमला में भी कर की दर में बढ़ोतरी की जानी है। राज्य सरकार की ओर से 20 मार्च को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है। इस सर्वेक्षण में पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान राज्य की आर्थिक स्थिति और जीडीपी की वृद्धि दर का पूरा ब्योरा होगा। जीडीपी में जितनी बढ़ोतरी होगी, उसी अनुपात में नगर निगम संपत्ति कर में बढ़ोतरी कर सकता है। अभी नगर निगम संपत्ति कर से लगभग 22 करोड़ रुपये की आय कर रहा है। केंद्र सरकार ने देश के सभी शहरी स्थानीय निकायों के लिए यह नियम लागू किया है कि वे अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए संपत्ति कर में नियमित बढ़ोतरी करें। केंद्र की कई योजनाओं और परियोजनाओं के लिए मिलने वाली वित्तीय सहायता भी इसी शर्त से जुड़ी होती है। नगर निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए संपत्ति कर में संशोधन नहीं करता है तो उसे केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं के तहत मिलने वाली फंडिंग में भी परेशानी आ सकती है।

संपत्ति कर आय का महत्वपूर्ण स्रोत : नगर निगम शिमला के अधिकारियों का कहना है कि अब संपत्ति कर में हर साल बढ़ोतरी की व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य नगर निगम की आय बढ़ाना और शहर में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना है। नगर निगम शिमला को शहर में सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था, पानी की आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर काफी राशि खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में संपत्ति कर नगर निगम के लिए आय का महत्वपूर्ण स्रोत है।

सवारी से 'लाइफस्टाइल' तक का सफर, वैश्विक बाजार में धाक जमाने के लिए लुधियाना के साइकिल उद्योग का नया ब्लूप्रिंट तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। 'पुर्जों से प्लेटफार्म तक विश्व बाजार के लिए पंजाब की अगली पीढ़ी की साइकिलें' विषय पर आयोजित 'साइकिल और ई-बाइक्स' सत्र में पंजाब के साइकिल उद्योग के विकास व विस्तार पर चर्चा हुई। एवन साइकिल के चेयरमैन और प्रबंधकीय निदेशक ओंकार सिंह पाहवा ने कहा कि पंजाब एक व्यवसाय अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है, जिससे उद्यमियों को अपने लक्ष्यों को साकार आसानी हो रही है। एमएसई के लिए विस्तारित स्व-प्रमाणीकरण और सिंगल-पाइंट रजिस्ट्रेशन जैसी प्रक्रिया प्रोजेक्ट को लगाने में तेजी लाएगी और निवेश को रोजगार, निर्यात तथा औद्योगिक उत्पादन में बदल देगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 4,000 से अधिक एमएसएमई निर्माता और 100 से अधिक मध्यम और बड़े साइकिल निर्माता प्रतिवर्ष लगभग 2.2 मिलियन साइकिलों का उत्पादन करते हैं, जिससे भारत दुनिया के सबसे बड़े साइकिल उत्पादक देशों में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास कंपोनेंट्स और कच्चे माल की बड़ी क्षमता है तथा विश्वस्तरीय टायर निर्माण क्षमता इस क्षेत्र को और मजबूती प्रदान करती है। रॉलसन इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पाहवा ने साइकिल उद्योग के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 1970 और 1980 के दशक में स्वदेशी तकनीक और सहायक ईकोसिस्टम ने टायर और ट्यूब निर्माण उद्योग के विकास को संभव बनाया, जो आज घरेलू और विश्व बाजारों में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि बदलते परिवहन पैटर्न, आर्थिक समृद्धि और मोटरसाइकिलों की बढ़ती प्राथमिकता के कारण साइकिलों का मुख्य परिवहन साधन के रूप में महत्व कम हुआ है और उद्योग अब एक नए मोड़ पर खड़ा है। उन्होंने सुझाव दिया कि साइकिलों को खेल, मनोरंजन, स्वास्थ्य और टिकाऊ शहरी परिवहन के साधन के रूप में पुनः स्थापित करके इस उद्योग को नया जीवन दिया जा सकता है।

पंजाब को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब बनाने की तैयारी, CM मान ने की 125% सब्सिडी और तीन बड़े प्रदर्शनी केंद्रों की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि पंजाब सरकार राज्य में उद्योग और वाणिज्य को बड़ा प्रोत्साहन देने के लिए लुधियाना, न्यू चंडीगढ़ (मोहाली) और अमृतसर में तीन विश्व स्तरीय प्रदर्शनी केंद्र स्थापित करेगी। मोहाली में चल रहे प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन में विभिन्न सत्रों के दौरान उद्योगपतियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रतिभागियों की सराहना की कि उन्होंने पंजाब को प्रभावित करने वाले प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार नई दिल्ली के प्रगति मैदान की तर्ज पर लुधियाना, न्यू चंडीगढ़ और अमृतसर में तीन विश्व स्तरीय प्रदर्शनी केंद्र स्थापित करने जा रही है, ताकि उद्योग को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मजबूत मंच मिल सके। प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन एक सुव्यवस्थित मंच बन गया है, जहां निवेशक विचार साझा करने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर अवसरों की खोज कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे पंजाब और निवेशकों दोनों को लाभ होगा क्योंकि हम मिलकर राज्य की

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार राज्य की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पंजाब को पारंपरिक कृषि उत्पादन से मूल्यवर्धित निर्यात की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। पंजाब क्रांति की धरती है और पंजाबी नए विचारों को तेजी से अपनाते हैं। इसी कारण पंजाबियों ने दुनिया भर में हर क्षेत्र में बड़ी सफलताएं हासिल की हैं और बड़ा नाम कमाया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य पंजाब की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को और मजबूत करना है क्योंकि राज्य में पारंपरिक कृषि से मूल्यवर्धित उत्पादों की ओर जाने की विशाल संभावना है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार अगले 50 वर्षों के आर्थिक विकास के लिए राज्य को तैयार कर रही है, जिसका स्पष्ट दृष्टिकोण पंजाब को वैश्विक निर्यात केंद्र में बदलना है।

देश के लिए पंजाबियों की कुर्बानियां 90 प्रतिशत से अधिक : उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले पचास वर्षों की जरूरतों के लिए पंजाब को तैयार करना है। हम पंजाब को प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं। मैं निवेशकों से अपील करता हूं कि वे पंजाब की तुलना देश के किसी अन्य राज्य से करें और वे देखेंगे कि पंजाब निवेश के लिए सबसे अनुकूल माहौल प्रदान करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हालांकि हमारी आबादी देश की कुल आबादी का केवल 2 प्रतिशत है, लेकिन देश के लिए पंजाबियों की कुर्बानियां 90 प्रतिशत से अधिक हैं।

पंजाब हमेशा से देश का अन्न भंडार : देश की खाद्य सुरक्षा में पंजाब के योगदान को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमेशा से देश का अन्न भंडार रहा है, जो लगभग 185 लाख मीट्रिक टन चावल और 125 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादित करता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के इस योगदान के कारण ही राज्य को गर्व से देश का अन्नदाता कहा जाता है। प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन को शानदार सफलता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन के दौरान योजनाबद्ध सभी तीस सत्रों में बड़ी भागीदारी देखी गई, जो पंजाब की विकास कहानी में व्यापारिक समुदाय की गहरी रुचि को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इसके साथ ही हमें इस चुनौती को समझते हुए कि मूल्यवर्धन के बिना बंपर कृषि उत्पादन अक्सर आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन पैदा करता है, इसके समाधान के लिए उचित प्रयास करने चाहिए।

भूजल स्तर में 57 प्रतिशत तक सुधार

कृषि विविधीकरण के प्रोत्साहन देने वाले उदाहरणों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ क्षेत्रों में सब्जियों की खेती ने भूजल स्तर में सुधार किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सब्जियों की खेती से 0-4 मीटर की रेंज में भूजल स्तर में 57 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। यह दर्शाता है कि व्यावहारिक फसल विविधीकरण किसानों और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचा सकता है। उन्होंने निवेशकों और प्रतिनिधियों को पंजाब सरकार की निर्णय लेने वाली टीमों से सीधे अपने विचार साझा करने का निमंत्रण दिया और नाभा में किसान कैचप प्लांट की सफलता पर भी प्रकाश डाला।

पहले महाराष्ट्र से आता था टमाटर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब नाभा में किसान कैचप प्लांट पहली बार स्थापित किया गया था तो उस समय टमाटर महाराष्ट्र से मंगवाया जा रहा था और किसानों द्वारा उपयुक्त किस्में अपनाने के बाद आज लगभग साठ प्रतिशत टमाटर स्थानीय रूप से पंजाब से ही आ रहा है, जो यह ठोस उदाहरण है कि कृषि और उद्योग कैसे साथ मिलकर काम कर सकते हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के लिए सब्सिडी अब 125 प्रतिशत मुख्यमंत्री ने नई औद्योगिक नीति के तहत बढ़ाई गई सब्सिडी की भी घोषणा की।

इंदिरा गांधी के योग गुरु रहे धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम को चलाएगी हरियाणा सरकार, अधिकारी संभालेंगे कमान

चंडीगढ़, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के आध्यात्मिक और योग गुरु रहे दिवंगत धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम और अपर्णा संस्था को अब प्रदेश सरकार चलाएगी। न्यूनतम दो साल की सेवा वाले आईएएस या पांच साल की सेवा वाले एचसीएस अधिकारी को संस्था का प्रशासक बनाया जाएगा। इसके अलावा चार सदस्यीय समिति बनाई जाएगी, जिसमें न्यूनतम एक साल की सेवा वाले प्रथम श्रेणी और दो साल की सेवा वाले द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को सदस्य बनाया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने अपर्णा संस्था (प्रबंधन एवं नियंत्रण का अधिग्रहण) नियम-2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश सरकार पिछले साल नवंबर में अपर्णा संस्था (प्रबंधन एवं नियंत्रण का अधिग्रहण) अधिनियम-2025 को लागू कर संस्था का टेकओवर कर चुकी है। आदेशों के मुताबिक संस्था को राष्ट्रीयकृत बैंक में एक अलग खाता खोलना होगा। अनुदान, उपहार और दान सहित सभी आय इसी खाते में जमा की जाएगी। इस धनराशि का उपयोग केवल संस्था के खर्चों के लिए ही किया जा सकेगा। अधिशेष धनराशि को राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा के रूप में रखा जा सकता है। गुरुग्राम के सेक्टर 30 के पास स्थित सिलोखरा और सुकराली गांव में आश्रम की 24 एकड़ से अधिक जमीन है, जिसका बाजार मूल्य 2400 करोड़ रुपये है। 1994 में विमान दुर्घटना में ब्रह्मचारी की मृत्यु के बाद आश्रम दो विरोधी गुटों में विभाजित हो गया। वर्ष 2020 में बड़ा विवाद हुआ जब 24 एकड़ जमीन की बिक्री का विलेख मात्र 55 करोड़ रुपये में रजिस्टर्ड कर दिया गया। राज्य सरकार की जांच में पाया गया कि जमीन को तीन कंपनियों को बहुत कम कीमत पर बेचा गया था। गुरुग्राम उपायुक्त ने बिक्री विलेख को रद कर दिया, जिसे बाद में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने बरकरार रखा।

नोएडा फैक्ट्री आग: बेसमेंट में फिर भड़की लपटें, लापता कर्मी उपेंद्र का नहीं मिला सुराग

नोएडा, एजेंसी। फेज वन क्षेत्र के सेक्टर चार स्थित कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड नाम से संचालित बिजली मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में बृहस्पतिवार सुबह लगी आग शुक्रवार रात बुझ गई थी, लेकिन शनिवार सुबह बेसमेंट दो में फिर आग भड़क उठी। धुआं उठता देख अग्निशमन विभाग टीम ने फिर से आग बुझाना शुरू किया।

उधर, फैक्ट्री में काम करने वाले उपेंद्र नाम के कर्मी तीन दिन बाद भी पता नहीं चल सका। पुलिस खोजबीन कर रही है। फैक्ट्री परिसर के बेसमेंट दो शनिवार सुबह फिर धुआं निकलने लगा। अग्निशमन टीम ने रिवोल्विंग ब्रांच लगाकर पानी का छिड़काव शुरू कराया।

देर शाम तक पानी का छिड़काव कर आग बुझाने का काम जारी रहा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शनिवार को 10 गाड़ियों का प्रयोग कर आग बुझाने का काम जारी रहा।

बेसमेंट में केमिकल होने के कारण पूरी तरह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही है। उधर, हरौला में रहने वाले सरवन कुमार का कहना है कि उनका बेटा उपेंद्र का तीन दिन बाद भी घर नहीं लौटा है।

उनका दावा है कि उपेंद्र बुधवार रात को फैक्ट्री में शिफ्ट करने आया था। वह जिला अस्पताल से लेकर कई प्राइवेट अस्पतालों में पता कर चुके हैं।

पुलिस और अग्निशमन अधिकारी आग बुझने तक का इंतजार करने की बात कहकर घर वापस भेज देते हैं। अग्निशमन और स्थानीय पुलिस ने शनिवार देर शाम तक फैक्ट्री परिसर से किसी भी कर्मी के मिलने से इनकार किया। बता दें कि उपेंद्र की बृहस्पतिवार सुबह की अंतिम लोकेशन सेक्टर छह आयी है।

नोएडा में 3500 रजिस्ट्री कर 3035 करोड़ का हुआ गलत लेन-देन, आयकर की जांच में कमियां उजागर

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर के निबंधन विभाग में आयकर की जांच में कई कमियां उजागर हुई हैं। बीते चार वर्षों में एक हजार से अधिक पैन कार्ड गलत टाइपिंग और अन्य त्रुटियों की वजह से गलत फीड हुए। 2500 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्री कराते वक्त गलत पैन कार्ड लगाए। यह कार्य एजेंट और बैनामा लेखकों ने गांव की भूमि और जीपीए (जनरल पावर ऑफ अटार्नी) में किए। रजिस्ट्री के वक्त खसरे की दूसरी जगह रजिस्ट्री हुई। इस रजिस्ट्री में गलत पैन कार्ड लगाया गया। यह पैन कार्ड गलत थे या किसी और व्यक्ति के नाम से थे। आयकर विभाग की जांच में गौतमबुद्ध नगर के रजिस्ट्री विभाग में बडी गडबडियां सामने

आई हैं। सेक्टर-33 स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय शनिवार को भी खुला। आयकर की जांच के बाद यहां गलत फीड हुए पैन कार्ड को सही से फीडिंग करना और रजिस्ट्री में गलत लगे पैन कार्ड का रिकॉर्ड खंगाया गया। इस तरह के 3500 से अधिक रजिस्ट्री कराने वालों की दस्तावेजों समेत जानकारी आयकर को सौंपी जाएगी। गांव में आबादी समेत डूब क्षेत्र में अरबों की कीमती जमीन लोगों को बेची गई। यहां हुई रजिस्ट्रियों में गलत या फर्जी पैन कार्ड का उपयोग हुआ। बीते चार वर्षों ऐसे हजारों मामले दर्ज हुए। निबंधन विभाग के पैन कार्ड की जांच का कोई एक्सेस नहीं होने से यह गड़बडियां पकडी नहीं जा सकीं। निबंधन विभाग वर्ष में दो बार स्टेटमेंट आफ फाइनेंसियल ट्रांजेक्सन (एसएफटी) जमा करता है। आयकर विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया तो मामला 3035 करोड़ से अधिक के गलत लेन देन के मामले में फंस गया। आयकर की टीम मामले में जांच कर रही है। निबंधन विभाग के पास पैन कार्ड की जांच का एक्सेस नहीं था। छह माह पूर्व यह एक्सेस मिला तो रजिस्ट्री के वक्त पैन कार्ड की जांच की जाने लगी है। इससे पहले रजिस्ट्री कराने वाले लोग खुद पैन नंबर भरते थे। बिना जांच के यह रजिस्ट्री के वक्त फीड होता था। टाइपिंग की गलती से फीड हुए पैन कार्ड को ठीक से दोबारा अपलोड किया जा रहा है। जिन लोगों ने रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दिया उसके लिए फाइलें देख रहे हैं। आयकर विभाग को लोगों के नाम और उनसे जुडी सभी जानकारी दे दी जाएंगी। आयकर टीम नोटिस जारी कर रिकवरी कर सकती है। छह माह पूर्व निबंधन विभाग को पैन कार्ड जांचने का एक्सेस मिला है।

हरदोई में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़, चार बदमाश गिरफ्तार

हरदोई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हरदोई में शनिवार को पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हो गई, जिसमें पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से मोबाइल, 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 25 फरवरी को सर्वेश अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह से वापस आ रहा था। इसी दौरान टिकरा गांव के पास कार सवार बदमाशों ने उन्हें रोका और डरा-धमकाकर नकदी, मोबाइल और पत्नी के जेवर लूट लिए थे। पुलिस काफी दिनों से इनकी तलाश कर रही थी, लेकिन ये लोग लगातार अपना स्थान बदल रहे थे

जम्मू-कश्मीर में ट्रक चालक की बेटी ने रचा इतिहास, जेकेएएस 74वां स्थान हासिल कर बढ़ाया मान

जम्मू, एजेंसी। सांबा के घगवाल के हरसाथ गांव में एक ट्रक चालक की बेटी और सचिवालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मी शिल्पा शर्मा ने इतिहास रचते हुए जम्मू कश्मीर प्रशानिक सेवा में 74 वां स्थान हासिल किया है जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

परिणाम का पता चलते ही पूरे गांव के लोग और सभी रिस्तेदार शिल्पा शर्मा के घर बधाईयां देने पहुंच रहे है। शिल्पा शर्मा ने यह मुकाम तीसरे प्रयास में किया है। शिल्पा ने बताया कि इसके पीछे मेरी काफी सारी मेहनत छुपी हुई है और मेरे माता पिता, सभी परिवार के सदस्यों और अध्यापकों का भी बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने बताया कि इसे हासिल करने में तहसीदार घगवाल शकील अहमद ने भी मेरी काफी मदद की है जब जब भी मैंने कोई भी मदद चाही उन्होंने बिना हिचहिचाए अपने कीमती समय में से मेरी मदद की है मैं कई बार उनके पास अपने सवाल लेकर जाती थी और मुझे बिना समय गवाए वह मुझे अच्छे से समझाते थे, जिससे मुझे और अधिक प्रेरणा मिली और मैं और आगे मेहनत के साथ बढ़ती गई। शिल्पा के

पिता एक ट्रक चालक है और वह किसी निजी इकाई में काम कर अपना और अपने परिवार का पालन पोषण करते है और माता एक ग्रहणी है जिन्होंने पूरी मेहनत के साथ बच्चों को पढ़ाया और आज उनकी बच्ची ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है।

शिल्पा शर्मा के पिता मोहन लाल शर्मा पेशे से एक ट्रक चालक है और जिस दिन परिणाम घोषित हुए उस दिन वह ट्रक सामान लोड करने जालंदर गए थे जैसे ही शाम को उन्हें इसके बारे में पता चला तो उनसे खुशी के मारे रहा नहीं गया और वह देर रात को ही ट्रक लेकर घर पहुंच गए और घर आकर बेटी का माथा चूमते हुए उसे गले लगाया और उसे बधाई दी।

शिल्पा शर्मा ने बताया कि मैं और मेरा छोटा भाई ही परिणाम देख रहे थे और माता घर की रसोई में काम कर रही थी हम दोनों माँ के पास जाकर खुशी का इज़हार करते हुए यह बायत बताई और उन्होंने उठाकर मेरे पिता जी को किया और फिर धीरे धीरे सभी को पता चला और कुछ रिस्तेदार देर रात को ही ढोल लेकर घर पहुंचे और बधाई दी।

शिल्पा शर्मा ने वर्ष 2015 में घगवाल के एक निजी स्कूल में अपनी दसवीं की परीक्षा पास की और घर की माली हालत अच्छी न होने से आगे की पढाई जारी करने के लिए घगवाल के सरकारी स्कूल में अपना दाखिला ले लिया और वर्ष 2017 में बारवीं की कक्षा में अच्छे अंक लेकर पास की।

वहीं 2020 में कठुआ के डिग्री कॉलेज में अपनी स्नातक की पढ़ाई करने के बाद एमसीए की पढ़ाई शुरू कर दी पढ़ाई के दौरान वर्ष 2021 में सचिवालय में कानून विभाग में बतौर चतुर्थ श्रेणी नौकरी मिल गई जिसके बाद भी शिल्पा शर्मा ने अपना हौसला नहीं छोड़ा और लगातार मेहनत करती गई।

घर से पैदल जाते समय बस में दो से ढाई घंटे के सफर के दौरान शिल्पा पढ़ाई में ही अपना ज़्यादा समय देती थी और बाद घर में आकर भी पढ़ाई में ही लग जाती थी। शिल्पा शर्मा का एक सप्ताह पहले ही पंचयात सचिव में नौकरी लगी थी और उसमे अभी जॉइन करना था कि इतने में जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा के परिणाम सामने आ गए।

तहसीदार घगवाल शकील अहमद ने मिली प्रेरणा : जम्मू कश्मीर प्रशानिक सेवा में 74 वां स्थान हासिल करने वाली शिल्पा शर्मा ने बताया कि तहसीदार घगवाल शकील अहमद से काफी प्रेरणा मिली है जैसे ही उन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है वैसे ही मैं भी कई बच्चों को प्रेरित कर उन्हें शिक्षा दूंगी ताकि वह भी आगे जाकर बड़े बड़े अधिकारी बन अच्छे पदों पर जाकर लोगों की सेवा करें।

वहीं जिला विकास परिषद घगवाल के पूर्व सदस्य सुरेश कुमार फल्ली भी कई अन्य समर्थकों के साथ बधाई देने उन्के घर पहुंचे। फल्ली ने बताया कि शिल्पा शर्मा हमारे घगवाल क्षेत्र की पहली अधिकारी बनी है यह हमरे लिए बहुत गर्व की बात है हम चाहते है ऐसे ही हमारे क्षेत्र के और भी कई बच्चे मेहनत कर बड़े बड़े अधिकारी बन कर देश की सेवा करे।

हिमाचल में आज से बदलेगा मौसम, छह दिनों के लिए बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को प्रदेश में कांगड़ा, मंडी और शिमला में 40 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने और ओलावृष्टि को लेकर 7रेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि लाहुल स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी स्थानों पर आंधी व वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात की संभावना जताई गई है। पश्चिमी विक्षोभ का असर 19 मार्च तक रहने का अनुमान है। इस दौरान 15 व 16 जबकि 18 व 19 मार्च को भारी और व्यापक वर्षा और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। शनिवार को प्रदेश की ऊंची चोटियों बारालाचा, कुंजुम और रोहतांग में हल्का हिमपात हुआ। जबकि शिमला में बादल छाए और दोपहर बाद मौसम साफ रहा। जबकि बाकी स्थानों पर धूप खिली रही। प्रदेश में दिन क तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट आई है। धर्मशाला में 2 डिग्री की गिरावट जबकि शिमला में 1.9 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश में शिमला का अधिकतम तापमान 22.7 डिग्री दर्ज किया गया जो अन्य स्थानों की अपेक्षा सामान्य से सबसे अधिक 7.1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान ऊना में 33.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

आईपीएल 2026: केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) फ्रेंचाइजी के मेंटॉर पद से इस्तीफा दे दिया है। 45 वर्षीय पीटरसन का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए जरूरी समय नहीं दे पाएंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल फरवरी में पीटरसन को आईपीएल 2025 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया था। इस बीच पीटरसन ने सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम किया, जिसमें क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, हेड कोच हेमांग बदानी, असिस्टेंट कोच मैथ्यू मॉट और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल शामिल थे। इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा, 'मैं इस आईपीएल सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटॉर नहीं रह पाऊंगा। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सीजन के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। हालांकि, मैं कमेंट्री बॉक्स में आप सभी से फिर मिलूंगा। आईपीएल दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है। मैं जल्द ही आप सभी को देखने के लिए बेताब हूं।' केविन

पीटरसन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 104 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 47.28 की औसत के साथ 8,181 रन बनाए। इसके अलावा, 136 वनडे मुकाबलों में 40.73 की औसत के साथ 4,440 रन, जबकि 37 टी20 मुकाबलों में 37.93 के साथ 831 रन जोड़े। साउथ अफ्रीका में जन्मे इस क्रिकेटर ने 2008 से 2009 तक इंग्लैंड की कप्तानी की थी। उन्हें टी20 विश्व कप 2010 में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब मिला था। उनके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही इंग्लैंड ने अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। पीटरसन ने आईपीएल करियर में कुल 36 मैच खेले, जिसमें 37.07 की औसत के साथ 1,001 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 4 अर्धशतक निकले। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। इस बीच कुल 20 मैच 10 वेन्यू पर आयोजित होंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'चूंकि इस दौरान तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल चुनावों की तारीखें घोषित होने के बाद ही जारी किया जाएगा।

केकेआर ने किया नई जर्सी का अनावरण, टीम की विरासत पर आधारित नया डिजाइन

कोलकाता । तीन बार आईपीएल का खिताब जीत चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन (आईपीएल 2026) के लिए अपनी नई जर्सी लांच कर दी है। नई जर्सी को 'लाइन्स ऑफ लेगेसी थीम' पर डिजाइन किया गया है। नई जर्सी के डिजाइन के केंद्र में वे खास पल हैं जिन्होंने इतने सालों में केकेआर के सफर को आकार दिया है। 2008 में लीग के उद्घाटन मैच में ब्रेंडन मैकुलम के 158 रन की यादगार पारी से लेकर, रिंकू सिंह के आखिरी ओवर में लगाए पांच छक्कों तक, केकेआर ने ऐसे कई पल दिए हैं जो आईपीएल की कहानियों का हिस्सा बन गए हैं। केकेआर ने एक बयान में कहा, 'इस सीजन में, उन लाइनों को सिर्फ याद नहीं रखा गया है - उन्हें जर्सी में ही बुना गया है, जिससे फैन्स टीम की कहानी का एक हिस्सा पहन सकें।'

जर्सी के अनावरण पर बात करते हुए, नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, वेंकी मैसूर, ने कहा, 'द लाइन्स ऑफ लेगेसी केकेआर के शानदार इतिहास का सार है और टीम के इतने सालों के सफर का जश्न मनाती है। हर लाइन शानदार पल का एक अहम हिस्सा है, जो हमारी पहचान बनाने के लिए मिलकर काम करने वाली ऊर्जा और जोश को दिखाती है।

हमें अपनी बनाई इस लेगेसी पर गर्व है और हम इसे आने वाले सीजन में भी इसे जारी रखना चाहते हैं, साथ ही अपने फैन्स के लिए और भी यादें बनाना चाहते हैं।' बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक कोलकाता नाइट राइडर्स अपने कैंपेन की शुरुआत 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। केकेआर अपने होम ग्राउंड ईडेन गार्डन में पहली बार 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ खेलेगी। केकेआर ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में कैमरून ग्रीन, मथीशा पथिराना, रोवमैन पॉवेल और फिन एलन जैसे बड़े खिलाड़ियों को खरीदकर टीम को मजबूती देने का प्रयास किया था।

द्रविड़, बिन्नी, और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है। इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज और अपनी कोचिंग में भारत को टी20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनाने वाले राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे। बिन्नी संन्यास के बाद कोच, चयनकर्ता और बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। द्रविड़ को उनके शानदार खेल करियर, जिसमें उन्होंने 24,000 से ज्यादा रन बनाए, और एक मेंटर और कोच के तौर पर उनके असरदार काम के लिए सम्मानित किया जाएगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह का एक बड़ा आकर्षण हाल ही में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा, जिसमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026, महिला विमेंस क्रिकेट विश्व कप 2025, और पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीमें शामिल हैं।

विजेताओं की पूरी लिस्ट

- **पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25:** श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर—स्मृति मंधाना
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 - महिला - दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला- 2024-25 - स्मृति मंधाना
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- महिला - एन श्री चरणी
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू-पुरुष - हर्षित राणा
- 2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन-मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
- 2023-24 में घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ अंपायर- उल्हास गांधे
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले - एलीट ग्रुप - हर्ष दुबे (विदर्भ)
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप - सुचित जे (नागालैंड)
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुप - यश राठौड़ (विदर्भ)
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड: 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुप - स्नेहल कौथंकर (गोवा)
- घरेलू सीमित ओवर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड, 2024-25 - आयुष म्हात्रे (मुंबई)
- रणजी ट्रॉफी में श्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड, 2024-25 - हर्ष दुबे (विदर्भ)
- जगमोहन डालमिया ट्रॉफी: 2024-25 की श्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (जूनियर डोमेस्टिक) - इरा जाधव (मुंबई)
- जगमोहन डालमिया ट्रॉफी: 2024-25 की श्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (सीनियर डोमेस्टिक) (सीनियर महिला वनडे) - शेफाली वर्मा (हरियाणा)
- जगमोहन डालमिया ट्रॉफी: 2024-25 में (अंडर-16) विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी - एलीट ग्रुप - यशबर्धन सिंह चौहान (मध्य प्रदेश)

गुरु हनुमान: भारतीय कुश्ती को आधुनिक रूप देने वाले, सुशील कुमार और रवि दहिया जैसे पहलवानों के गुरु शिष्य रहे हैं

नई दिल्ली । कुश्ती भारत का एक पारंपरिक खेल है। समय-समय पर ऐसे-ऐसे पहलवान देश में जन्म लेते रहे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से भारतीय कुश्ती को बुलंदी पर पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। गुरु हनुमान के नाम से मशहूर विजय पाल यादव का नाम भी ऐसे पहलवानों में प्रमुखता से लिया जाता है। विजय पाल यादव का जन्म 15 मार्च 1901 को चिड़ावा, राजस्थान में हुआ था। वह कभी स्कूल नहीं गए, लेकिन बेहद कम उम्र से कुश्ती को लेकर उनके मन में जुनून था। कुश्ती में वह कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे। इसलिए, कम उम्र से ही अखाड़े में कुश्ती लड़ने लगे थे। 1919 में सब्जी मूंदी में बिड़ला मिल्स के पास एक दुकान खोलने के लिए दिल्ली आए थे, लेकिन मन तो कुश्ती में रमा था। दुकानदारी की जगह पहलवानी में उन्होंने समय दिया और जल्द ही क्षेत्र में मशहूर हो गए। एक पहलवान और एक कोच के तौर पर, गुरु हनुमान ने पारंपरिक भारतीय कुश्ती स्टाइल, पहलवानी को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मानकों के मुताबिक बनाया और उसे आधुनिक कुश्ती का रूप दिया। समय के साथ उन्होंने भारत के लगभग सभी फ्रीस्टाइल अंतरराष्ट्रीय पहलवानों को कोचिंग दी। उनके शिष्यों सुदेश कुमार और प्रेम नाथ ने 1958 में कार्डिफ कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीते थे। सतपाल और करतार सिंह ने क्रमशः 1982 और 1986 में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीते। उनके आठ शिष्यों को भारत का सबसे बड़ा खेल सम्मान अर्जुन अवॉर्ड मिला मिल चुका है। गुरु हनुमान शाकाहारी खाने को ज्यादा प्राथमिकता देते थे।

24 मई 1999 को हरिद्वार जाते समय मेरठ के पास एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें 1987 में प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार और 1983 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। 9 अगस्त 2003 को, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना ने नई दिल्ली के कल्याण विहार स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरु हनुमान की एक मूर्ति का अनावरण किया।

भारतीय उद्योगपति के. के. बिड़ला ने उन्हें मलकागंज, सब्जी मंडी (पुरानी दिल्ली) में अखाड़ा खोलने के लिए ज़मीन दी, इस तरह 1925 के आसपास 'बिड़ला मिल्स व्यायामशाला' शुरू हुई, जिसे दिल्ली के कमला नगर में बिड़ला मिल्स मैनेज कर रहा था, जिसे बाद में गुरु हनुमान अखाड़ा के नाम से जाना गया। गुरु हनुमान अखाड़ा पारंपरिक हिंदी बोली में पहलवानों का ट्रेनिंग सेंटर या अखाड़ा है। 1925 में नॉर्थ दिल्ली में रोशनआरा बाग के पास शक्ति नगर में शुरू हुआ यह अखाड़ा भारत का सबसे पुराना मौजूदा कुश्ती स्कूल है। इस अखाड़े से दारा सिंह, हंस राम, गुरु सतपाल, उद्दल सिंह, सुभाष वर्मा, वीरेंद्र सिंह, सुशील कुमार, योगेंद्र कुमार, विशाल त्रिखा, अनुज चौधरी, राजीव तोमर, अनिल मान, सुजीत मान, चांद खत्री, नवीन, और राकेश गूंगा जैसे पहलवान निकले हैं। इस अखाड़े की जमीन को पहलवान काफी शुभ मानते हैं। 2014 में, कुश्ती अकादमी को भारत सरकार ने 2014 के राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चुना था। गुरु हनुमान के शिष्य सतपाल सिंह मौजूदा समय के बड़े कुश्ती कोच हैं। उनके शिष्यों में सुशील कुमार और रवि दहिया जैसे बड़े नाम हैं, जिन्होंने ओलंपिक में देश के लिए पदक जीता है।

इंडियन वेल्स मास्टर्स: आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंची लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया

इंडियन वेल्स । आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया, और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच एक घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं अपने पिछले कुछ फाइनल यहीं हार गई थी। मैं पक्का करूंगी कि रविवार को पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना श्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी ताकि यह साल मेरे लिए अच्छा रहे।' सबालेंका 2 बार इंडियन वेल्स का फाइनल हार चुकी हैं। रविवार को फाइनल में उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा। नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे सूर्यकुमार यादव, बप्पा से लिया आशीर्वाद

मुंबई । टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर शनिवार को ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर गणपति बप्पा के दर्शन को पहुंचे। इससे पहले, टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव हेड कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ हनुमान मंदिर आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। भारत ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया था। भारत घरेलू सरजमीं पर टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला देश बना। भारत टी20 वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाला पहला देश भी है।

8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 255 रन बनाए थे। खिताबी मैच में टीम इंडिया की ओर से संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 8 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 89 रन बनाए। उनके अलावा, ईशान किशन ने 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 52 रन टीम के खाते में जोड़े।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 19 ओवरों में महज 159 रन पर सिमट गई। कीवी टीम से टिम सीफर्ट ने 26 गेंदों में 52 रन की पारी खेली। कप्तान मिचेल सेंटनर ने 43 रन का योगदान टीम के खाते में दिया था।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की शुरुआत शानदार रही थी। टीम इंडिया ने यूएसए को 29 से मात देने के बाद नामीबिया के खिलाफ 93 रन से जीत दर्ज की थी। इसके बाद हाईवोल्टेज मैच में पाकिस्तान को 61 रन से हराने के बाद नीदरलैंड के विरुद्ध 17 रन से जीत हासिल की।

ग्रुप स्टेज के सभी मैच जीतने के बाद भारत को सुपर-8 के अपने पहले ही मैच में साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 76 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया ने शानदार वापसी करते हुए जिम्बाब्वे को 72 रन और वेस्टइंडीज को 5 विकेट से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां इंग्लैंड को 7 रन से हराकर खिताबी मैच में जगह बनाई।

पूजा गहलोत की कुश्ती के खिलाफ थे पिता, हालात से लड़कर बनाई पहचान

नई दिल्ली। कई खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने से पहले कई लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं। भारत की होनहार महिला पहलवान पूजा गहलोत ने अखाड़े में उतरने से पहले कई ऐसी ही जंग लड़ी। आर्थिक तंगी के साथ-साथ पूजा के पिता उन्हें कुश्ती खेलते हुए नहीं देखना चाहते थे। हालांकि, पूजा के बुलंद हौसलों के आगे एक दिन पिता को भी झुकना पड़ा।

पूजा गहलोत का जन्म दिल्ली के लांपुर गांव में हुआ। बचपन से ही पूजा को खेलों में खास रुचि थी। कुश्ती का खेल पूजा के दिल के थोड़ा ज्यादा करीब था। हालांकि, उस दौर में लड़कियों का कुश्ती खेलना सामान्य बात नहीं माना जाता था। खुद पूजा के पिता नहीं चाहते थे कि वह इस खेल में करियर बनाएं। पूजा की प्रतिभा को चाचा धर्मवीर सिंह ने पहचाना, और वह ही उनको महज 6 साल की उम्र में अखाड़े लेकर गए।

पिता की सख्ती के चलते पूजा ने पहले वॉलीबॉल खेलना शुरू किया लेकिन बाद में वह कुश्ती के खेल में रम गईं। चाचा धर्मवीर ने पूजा को कुश्ती की बारीकियां सिखाईं और इसके बाद पूजा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूजा ने 2017 में एशियन जूनियर चैंपियनशिप में लाजवाब प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। पूजा गहलोत पहली बार साल 2019 में सुर्खियों में आईं। उन्होंने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक को अपने नाम किया। इस चैंपियनशिप से पहले कंधे की चोट के कारण पूजा को दो साल तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। हालांकि, पूजा ने जबरदस्त वापसी करते हुए हर किसी को दिखाया कि वह इस खेल के लिए ही बनी हुई हैं। साल 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में पूजा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने को मिला।

पूजा ने 50 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि, पदक जीतने के बावजूद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूजा भावुक हो गई थीं। भारतीय महिला पहलवान को इस बात का मलाल था कि वह देश के लिए स्वर्ण पदक नहीं जीत सकीं। पूजा के प्रदर्शन की खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर सराहना की थी और उनका हौसला बढ़ाया था।

पूजा की सफलता के पीछे उनका संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प रहा। उन्होंने समाज की सोच, आर्थिक कठिनाइयों और संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों को पार करके विश्व में अपने खेल के दम पर अपनी पहचान बनाई। आज वह देश की युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं और यह संदेश देती हैं कि मेहनत और आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गठिया का रामबाण इलाज है कच्चे पपीते की चाय

उम्र बढ़ने के साथ-साथ या फिर कैल्शियम की कमी से हड्डियों से जुड़ी समस्याएं होना आम बात है। इन्हीं में से एक समस्या है गठिया की, जिससे कई लोग परेशान होते हैं। इसमें जोड़ों में दर्द, यूरिक एसिड के क्रिकेट का जोड़ों में जमा होना जैसी समस्याएं आती है। इससे बचने के लिए या फिर इलाज के लिए आप काफी कुछ आजमा चुके हैं और फिर भी कोई असर नहीं होता, तो इसका एक बेहतरीन घरेलू उपाय है हमारे पास। ये उपाय है कच्चे पपीते की चाय। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी कि पपीते की चाय का सेवन आपकी गठिया की समस्या समाप्त कर सकती है। मेडिकल साइंस की दुनिया में भी इस चाय का काफी महत्व है। पपीता शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा को घटाता है और इसमें सूजन को दूर करने वाले गुण होते हैं।

विधि – इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए – पानी, कच्चा हरा पपीता, ग्रीन टी बैग या ग्रीन टी की पत्तियां। अब चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी लेकर उसमें कच्चे पपीते के टुकड़े डाल दें और इसे आंच पर रख दें। जब यह उबलने लगे, तो आंच बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। इस इसे छान लें और इसमें ग्रीन टी डालकर लगभग 3 मिनट के लिए छोड़ दें। अब यह चाय पीने के लिए तैयार है, इसे गर्मागर्म या गुनगुनी ही पिएं।

जानिए पपीते की इस चाय के फायदे –

- गठिया की समस्या में फायदेमंद।
- शारीरिक सूजन कम करने में मददगार।
- ब्लड प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने में मददगार।
- शरीर के अवांछित तत्वों को बाहर कर आंतरिक सफाई में मददगार।

बीपी-शुगर में रामबाण है ब्लैक राइस

आपने आज तक सफेद या ब्राउन चावल के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने काले चावल के लाभ के बारे में सुना है। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताते हैं काले चावल के बेमिसाल फायदे।

हमारे देश में चावल का सेवन सदियों से किया जा रहा है। बिरयानी से लेकर डोसा और इडली तक चावलों से ना जाने कितने ही व्यंजनों को तैयार किया जाता है। आज से कुछ समय पहले तक ज्यादातर लोगों को केवल सफेद चावल के बारे में ही जानकारी थी। लेकिन अब लोग चावल की अलग-अलग किस्मों को ना केवल जान रहे हैं बल्कि इनका सेवन भी कर रहे हैं। ऐसे में आप काले चावल को ही ले लीजिए। दरअसल काले चावल ओरीजा सैटिवा प्रजाति से आते हैं। प्राचीन काल में चीन के अंदर इन काले चावल के पोषक तत्वों को देखते हुए इसे रॉयल्टी में शामिल किया गया था। आपको बता दें कि काले चावल के अंदर कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट गुण और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आपको जिंदगी भर सेहतमंद रख सकते हैं। आज इन काले चावलों के जरिए विश्व भर में तरह-तरह की खाद्य सामग्री तैयार की जाती है। जिनका लुत्फ आप भी उठा सकते हैं। लेकिन इससे पहले जरा काले चावल के फायदे जानिए।

आयरन और प्रोटीन का खजाना

अगर आप अपनी रोजाना की डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो आप काले चावल का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि 10 ग्राम ब्लैक राइस में लगभग 9 ग्राम प्रोटीन होती है, जो ब्राउन राइस के मुकाबले कहीं अधिक है। यही नहीं इसमें आयरन भी मौजूद होता है जो शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अलावा इसमें कुछ अन्य पोषक तत्व हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

45 ग्राम चावल में पोषक तत्व की मात्रा

कैलोरी – 160
फैट – 1.5 ग्राम
प्रोटीन – 4 ग्राम
कार्ब्स – 34 ग्राम
फाइबर – रोजाना की जरूरत का 6 प्रतिशत

इसके 23 एंटीऑक्सीडेंट हृदय रोग और अल्जाइमर से बचाते हैं

आज तक आपने ऐसी बहुत सी खाद्य सामग्रियों का सेवन किया होगा जिनमें एक, दो या पांच एंटीऑक्सीडेंट होंगे। लेकिन ब्लैक राइस में एक या दो नहीं बल्कि पूरे 23 एंटी ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट गुण आपको ऑक्सीडेटिव तनाव से राहत दिलाते हैं। ज्ञात हो कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर जैसी समस्या पैदा होती है। आप इन सभी समस्याओं से ब्लैक राइस की वजह से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इसके अंदर कई तरह के फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड होते हैं। यह भी आपको सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। इस लिहाज से आप ब्लैक राइस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

हृदय के लिए फायदेमंद

अब तक ब्लैक राइस को लेकर कई शोध हो चुके हैं जो हृदय रोगों से बचाने के दावे कर रहे हैं। हालांकि यह अध्ययन अभी उतने अधिक नहीं हुए हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस को लेकर जानवरों और इंसानों पर कई शोध हुए हैं जिनमें एंथोसायनिन की भूमिका को जांचा गया है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर में सुधार देखा गया है। अध्ययनों को देखकर लगता है कि यह हृदय के लिए फायदेमंद है। लेकिन अभी इस पर कुछ और अध्ययनों की आवश्यकता भी है।

कैंसर से बचाए

ब्लैक राइस को लेकर हुए कई अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि जो लोग अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करते हैं उन्हें कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा हुए टेस्ट ट्यूब अध्ययन में पया गया कि काले चावल में मौजूद एंथोसायनिन ने महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की कोशिका को कम कर दिया। साथ कैंसर के फैलने की गति को भी धीमा कर दिया। इन अध्ययनों में भले ही अब तक अच्छे प्रमाण हासिल हुए हों। लेकिन अभी इस पर अन्य अध्ययन की आवश्यकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

ब्लैक चावल के अंदर जेक्सैन्थिन और ल्यूटिन मौजूद होता है जो दो प्रकार की कैरोटीनॉयड यह आंखों को स्वस्थ रखने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। आपको बता दें कि यह यौगिक आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक मुक्त कणों से राहत दिला सकते हैं। साथ ही ब्लैक राइस के अंदर मौजूद इन गुणों पर जब अध्ययन किए गए तो इसमें पाया गया कि यह मोतियाबिंद जैसी समस्या से भी राहत दिला सकते हैं जो एक उम्र के बाद लोगों को होने लगती है। हालांकि इस पर अभी अध्ययन केवल चूहों पर ही किया गया है इंसानों पर नहीं।

वजन घटाने में असरदार

अगर आप वजन घटाना चाहते है तो आप ब्लैक राइस का सेवन कर सकते हैं। आपको बता दें कि ब्लैक राइस के अंदर मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपका पेट भी लंबे समय तक भरा रख सकते हैं और आपका वजन घटाने में कारगर सिद्ध हो सकते हैं। इसके अलावा एंथोसायनिन को भी वजन घटाने में कई अध्ययनों में कारगर माना गया है। हालांकि यह रिसर्च अभी तक इंसानों पर नहीं हुई हैं। इसलिए इस पर अभी और अध्ययन बाकी हैं।

ग्लूटेन फ्री है ब्लैक राइस

आप शायद जानते ही होंगे कि ग्लूटेन फ्री एक तरह का प्रोटीन होता है जो कई तरह के अनाज में पाया जाता है जैसे गेहूं, जौ और राई आदि। ऐसे लोग सीलिएक रोग से पीड़ित लोगों को इस प्रोटीन से बचना होता है क्योंकि यह उनकी आंत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में अगर आप सीलिएक रोग से पीड़ित हैं तो आप ब्लैक राइस का लुत्फ ले सकते हैं, क्योंकि यह आपकी स्थिति को बिगाड़ेगा नहीं।

इन कामों को करने वाले सबसे ज्यादा झेलते हैं साइटिका का दर्द

क्या आपको अक्सर कमर से लेकर पैरों तक तेज दर्द या जलन महसूस होती है, तो यह साइटिका या साइटिका की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं साइटिका के होने की वजह और इसके उपाय एवं इलाज के बारे में।

मानव शरीर के अंदर करीब 206 हड्डियां होती हैं। इनमें से अगर किसी में भी जरा दिक्कत शुरू हो जाए तो उसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। साथ ही आप एक भंयकर और जानलेवा दर्द से गुजरने लगते हैं। ऐसा ही कुछ होता है साइटिक नर्व में। इस स्थिति से जूझने वाले व्यक्ति को कमर से लेकर कूल्हों और पैरों तक बहुत तेज दर्द, जलन, और सुन्न होने की समस्या होने लगती है। इस स्थिति में दरअसल साइटिका के जरिए ही आप अपने पैरों को नियंत्रित कर पाते हैं और पैरों को महसूस इसकी वजह से होता है। साइटिका के उपचार या उपाय का तरीका जानने से पहले जरूरी है कि आप इस दर्द को सही प्रकार समझ लें। ऐसे में साइटिका दर्द की समस्या के कारण और उपचार के तरीकों और जटिलताओं के बारे में बता रहे हैं पेन स्पेशलिस्ट।

क्या है साइटिका का दर्द

साइटिका नर्व आपकी रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर आपके कूल्हों से लेकर आपके पैरों तक जाती है। यह मानव शरीर की सबसे महत्वपूर्ण तंत्रिकाओं में से एक है। आमतौर पर यह दर्द लोगों को 30 साल के बाद ही होता है। यूं तो साइटिका पेन एक अस्थाई दर्द ही है जो खुद भी ठीक हो जाता है और इसके लिए दवा और कुछ उपायों की आवश्यकता भी हो सकती है। साइटिका नर्व में हुई समस्या से जूझ रहे मरीजों को कमर दर्द, पैरों में सुन्नपन आ जाना या दर्द अनुभव होता है। साइटिका को कटिस्नायुशूल के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस दर्द की वजह या कारणों के बारे में।

किस वजह से होता है साइटिका

साइटिका की समस्या के पैदा होने की यूं तो कई वजह होती हैं। लेकिन डॉक्टर अमोद बताते हैं कि इस दर्द की मुख्य वजह स्लिप डिस्क होती है। आपको बता दें कि हमारी रीढ़ की हड्डी में बहुत सी हड्डियां होती हैं और इसके आगे एक डिस्क होती है, जिसे आप किसी कुशन की तरह समझ सकते हैं। इसकी वजह से हम आसानी से कमर को मोड़ सकते हैं। लेकिन जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती हैं तो इसके पीछे निकलने वाली नसों पर दबाव पड़ने लगता है। अब यह नस जहां तक जाती हैं वहां तक साइटिका का दर्द हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि साइटिका के दर्द का केवल यही कारण है। इसकी कई वजह हो सकती हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

- धूम्रपान-खराब लाइफस्टाइल बनते हैं साइटिका का कारण
- अगर हड्डियों की एलाइनमेंट खराब हो तो भी साइटिका पेन हो सकता है।
- उम्र के साथ बॉडी पॉश्चर में बदलाव आता है जिसकी वजह से भी यह समस्या हो सकती है।
- अगर कोई व्यक्ति अधिक वजन उठाने के कार्य करता है तो भी यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है।
- खराब जीवन शैली भी साइटिका पेन की वजह बन सकता है।
- ऐसे लोग जिनका वजन अधिक है उन्हें भी साइटिका का दर्द हो सकता है।
- अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों को भी साइटिका का दर्द हो सकता है।

साइटिका का परीक्षण कैसे

आमतौर पर लोगों को लगता है कि साइटिका की स्थिति के बारे में जानने के लिए उन्हें एक्सरे कराना होगा। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक्सरे दूसरी कई समस्या में काम आ सकता है। लेकिन साइटिका के बारे में सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको MRI ही करवाना होता है।

साइटिका से जुड़े भ्रम और सच

साइटिका के दर्द को लेकर राहत की बात यह है कि यह तीन महीने के अंदर-अंदर ठीक भी हो सकती है। हालांकि कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि साइटिका की स्थिति में केवल सर्जरी ही एक विकल्प होता है। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है क्योंकि इस स्थिति में महज 1 प्रतिशत लोगों को ही सर्जरी की जरूरत पड़ती है। बाकि अन्य साधारण उपाय से भी ठीक हो जाते हैं।

साइटिका का उपचार का तरीका

साइटिका के दर्द से राहत दिलाने और इसे हील करने के लिए डॉक्टर आपको कई तरह की पेन किलर दवाओं का सेवन करने की सलाह दे सकते हैं। इन दवाओं से आपको काफी हद तक आराम मिल सकता है। पेन किलर दवाओं का असर ना होने पर कई मामलों में डॉक्टर साइटिका की समस्या में आपके उसी हिस्से पर इंजेक्शन लगाते हैं जहां दर्द हो। इलाज की इस प्रक्रिया से जल्दी ही दर्द से राहत मिलने लगती है। वहीं अगर इनमें से कोई भी उपाय काम नहीं करता तो डॉक्टर आपको सर्जरी कराने का विकल्प देते हैं।

कैसे ठीक होता है साइटिका

अगर आपको साइटिका की समस्या है तो डॉक्टर आपको वजन घटाने, धूम्रपान छोड़ने, और एक सही जीवन शैली का पालन करने की सलाह दे सकते हैं। डॉक्टर अमोद कहते हैं कि इस समस्या में सर्जरी का विकल्प सबसे आखिरी होता है। वहीं दवाओं और इंजेक्शन के माध्यम से सर्जरी को टाला जा सकता है। जबकि कई मामलों में यह स्थिति खुद भी ठीक हो जाती है।

चीनी खाने से कैसे बढ़ता है आपका वजन?

चीनी का इस्तेमाल हर घर में होता है। चाय, कॉफी और मिठाईयों के अलावा रोजमर्रा की ऐसी कई चीजें हैं, जिनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती हैं। ऐसे में चीनी का सेवन कम से कम करना चाहिए क्योंकि चीनी का सेवन ज्यादा करने से आपका वजन तेजी से बढ़ता है। आइए, जानते हैं कि चीनी कैसे बढ़ाती है आपका वजन-

फ्रक्टोज इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बनता है

चीनी का अधिक मात्रा में सेवन करना आपके ब्लड में इन्सुलिन के स्तर को बढ़ा देता है, जो आपके खाद्य पदार्थो से एनर्जी को कम करता है और उसे फैट सेल्स में परिवर्तित करता है और जब शरीर में फैट की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आपका शरीर आपके मष्तिष्क को भूख लगने का संकेत पहुंचाता है।

फ्रक्टोज लेप्टीन नामक हार्मोन के प्रतिरोध का कारण

फ्रक्टोज लेप्टिन नामक हार्मोन के प्रभाव से वजन बढ़ने की समस्या होती है। लेप्टीन वसा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित होता है। वसा कोशिका जितनी बड़ी होगी, उतना अधिक लेप्टिन का उत्पादन होगा। इस वजह से शरीर में अधिक वसा जमा हो जाती है और साथ ही वजन भी बढ़ता है।

फ्रक्टोज ग्लूकोज की तरह काम नहीं करता

ग्लूकोज आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, लेकिन फ्रक्टोज के सेवन से ऐसा कुछ महसूस नहीं होता है, बल्कि फ्रक्टोज के सेवन से आपको अधिक भूख महसूस होती है और इस वजह से आप कैलोरी और फैट का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं।

फ्रक्टोज आपकी भूख को बढ़ाता है

फ्रक्टोज आपके हंगर हॉर्मोन को नियंत्रित करने में मदद नहीं करता है और इस वजह से खाने के बाद भी आपको अधिक भूख लगती है। ऐसे में कैलोरी का सेवन करते हैं जो आपके शरीर में एक्सट्रा फैट को बढ़ाता है जिसकी वजह से आपका वजन भी बढ़ता है।

एआई सिनेमा को आकार दे सकता है, लेकिन मानवीय भावनाओं को नहीं

चाहे विजुअल इफेक्ट्स हों, डबिंग हो या सीजीआई हो, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस फ़िल्ममेकिंग की दुनिया को पूरी तरह बदल रहा है। विशेष रूप से अभिनेताओं पर इसके प्रभाव को लेकर चर्चाएँ तेज़ होती जा रही हैं। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि एआई भविष्य में अभिनय के हर पहलू की नकल कर सकता है, लेकिन 'हीरामंडी' स्टार ताहा शाह बदुशा ऐसा नहीं मानते। उनके अनुसार, तकनीक सिनेमा को बेहतर बना सकती है, लेकिन वह उस भावनात्मक सच्चाई की जगह नहीं ले सकती, जो सिर्फ़ एक इंसान परदे पर ला सकता है। इस संदर्भ में ताहा कहते हैं, 'जब कोई भावनात्मक सीन होता है, फिर वो चाहे माँ के साथ हो, पत्नी के साथ हो या बच्चे के साथ हो, तो वह भावना हमें खुद महसूस करनी होती है। इस जुड़ाव या भावना को हम चाहकर भी मशीन से पैदा नहीं कर सकते।' गौरतलब है कि एआई ने तकनीकी रूप से काफ़ी तरक़्क़ी कर ली है। आज की फ़िल्में पहले से कहीं ज़्यादा शानदार और तकनीकी रूप से परफ़ेक्ट दिखती हैं। इस विषय में ताहा कहते हैं, 'कभी एडिट में हल्की सी जंप दिख जाती है, कभी लिप-सिंक थोड़ा सा अटपटा लगता है, या कोई इमोशनल बीट पूरी तरह असर नहीं छोड़ पाती।

मुझे यक़ीन है कि आने वाले समय में ये तकनीकी कमियाँ भी दूर हो जाएँगी, लेकिन अभिनेता और दर्शक के बीच का भावनात्मक रिश्ता कहीं ज़्यादा गहरा होता है। दर्शकों का जुड़ाव परफ़ेक्शन से नहीं, बल्कि सच्चाई से होता है। लोग किसी इमेज से नहीं, एक इंसान से जुड़ते हैं। वे उसकी कमज़ोरियों से, उसकी ख़ामोशी से, उन ठहरावों से जुड़ते हैं, जो प्रोग्राम नहीं किए गए होते। उन्हीं ख़ामोशियों में असली क्रिएटिविटी बसती है।' ताहा यह भी मानते हैं कि एआई फ़िल्ममेकिंग के कई तकनीकी पहलुओं को संभालेगा। हाँ, जो लोग सीखने और बदलने से इनकार करेंगे, उन्हें मुश्किल हो सकती है, लेकिन जो अभिनेता और क्रिएटर्स एआई को समझकर उसे अपने फ़ायदे के लिए इस्तेमाल करेंगे, उनके लिए संभावनाएँ और बढ़ेंगी। इसके अलावा सीमित बजट वाले फ़िल्ममेकर्स के लिए भी एआई ने नए दरवाज़े खोले हैं, जिससे वे अपनी सोच को ज़्यादा आज़ादी के साथ साकार कर सकें। हालांकि वे यह भी मानते हैं कि तकनीक चाहे कितनी भी प्रगतिशील हो, लेकिन भावनात्मक गहराई की जगह नहीं ले सकती।

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा को क्यों अलग लगी 'अक्यूज्ड'

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अक्यूज्ड' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का एलान बीते दिनों नेटफ्लिक्स के एक इवेंट में किया गया था। यह एक साइकोलॉजिकल सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है। फिल्म का ट्रेलर सामने आ चुका है। हाल ही में कोंकणा और प्रतिभा ने बातचीत में बताया कि उन्हें इस फिल्म में क्या अलग लगा?

इस वजह से कोंकणा ने साइन की फिल्म

कोंकणा और प्रतिभा ने बताया कि यह फिल्म एक महिला अपराधी की कहानी है, इसी बात ने उन्हें फिल्म की तरफ खींचा। फिल्म को अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म इस महीने के आखिर में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह के बारे में कोंकणा ने कहा कि यह आइडिया अपने आप में उन्हें नया और अनोखा लगा। उन्होंने यह भी बताया कि कहानी को बनाने में रिसर्च ने बड़ी भूमिका निभाई। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत उत्साहित थी। हमने कभी ऐसे केस के बारे में नहीं सुना, जहां आरोपी कोई महिला हो, क्योंकि अपराधी ज्यादातर पुरुष ही होते हैं'।

प्रतिभा रांटा को मिले थे दो सीन मिल

कोंकणा सेन शर्मा ने बताया, 'जब उन्होंने रिसर्च की, तो राइटिंग और डायरेक्शन टीम को पता चला कि ऐसे मामले हैं। मुझे लगता है कि यूएस और यूके में बहुत सारे डॉक्यूमेंटेशन हैं। उन्होंने उस रिसर्च के आधार पर स्क्रिप्ट लिखी। मुझे यह मामला बहुत अजीब लगा'। वहीं, प्रतिभा रांटा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया तो उन्हें दो सीन मिले थे। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने उन्हें पढ़ा और उन सीन में मुझे बहुत दिलचस्पी थी। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं पढ़ा था। मैम ने मेरा ऑडिशन देखा। उन्हें यह पसंद आया'।

कैसे तैयार हुई स्क्रिप्ट?

फिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप ने बताया कि फिल्म की शुरुआत सिर्फ एक आइडिया से हुई थी और कोई स्क्रिप्ट नहीं लिखी थी। उन्होंने बताया कि कैसे टीम ने कई महीनों में धीरे-धीरे कहानी बनाई। अनुभूति के मुताबिक, 'मेरे पास फिल्म के लिए लिखी हुई स्क्रिप्ट नहीं थी। मुझे सिर्फ एक आइडिया दिया गया था। मैंने कभी ऐसी कहानी नहीं सुनी थी, जिसमें किसी महिला पर काम की जगह पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगा हो। मुझे यह आइडिया सच में पसंद आया। हमने वहीं से शुरुआत की। मैंने इस फिल्म के राइटर, यश और सीमा के साथ काम किया है। हमने छह से आठ महीने तक स्क्रिप्ट लिखी और इसे तैयार किया। बता दें कि 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

द केरल स्टोरी 2 पर अनुराग कश्यप ने दिया रिएक्शन

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने से पहले काफी सुर्खियों में है। कुछ लोग फिल्म का सपोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग फिल्म को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। जब से 'द केरल स्टोरी 2' का ट्रेलर आया है, तब से इस पर विवाद हो रहा है। एक सीन में, एक कलाकार को कुछ लोग जबरदस्ती प्रतिबंधित मांस खिलाते हुए दिख रहे हैं। फिल्म के इस सीन पर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म को लेकर बोले अनुराग कश्यप

हाल ही में अनुराग कश्यप फिल्मफेयर अवार्ड्स साउथ में शामिल होने के लिए कोच्चि गए। उनसे पैपराजी ने पूछा कि क्या उन्होंने 'द केरला स्टोरी 2' का ट्रेलर देखा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'द केरल स्टोरी 2 बकवास मूवी है। यह बकवास प्रोपेगेंडा है। पूरी तरह बकवास। ऐसा कौन बीफ खिलाता है? ऐसा कोई खिचड़ी भी नहीं खिलाता है।' उन्होंने आगे कहा, ' वे (फिल्ममेकर) बस पैसा कमाना चाहते हैं और सबको खुश करना चाहते हैं। लोगों को बांटना चाहते हैं।'

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार?

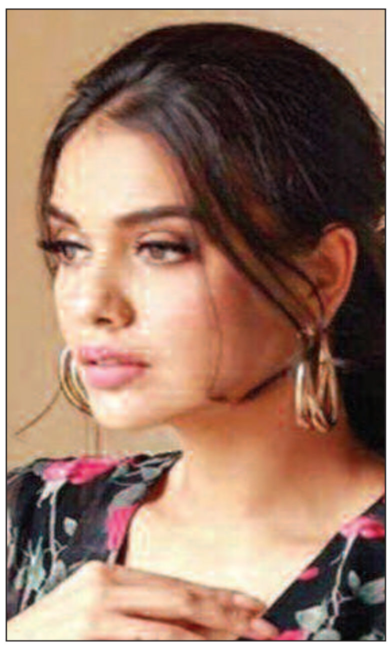

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं — क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में द वार्डरोब भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं।

...इस बात से परेशानी होती है कि मेरी पहचान सिर्फ इमरान की गर्लफ्रेंड तक सीमित है

एक्टर इमरान खान को डेट कर रहीं लेखा वाशिंगटन हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' के प्रीमियर में उनके साथ नजर आईं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया और कुछ यूजर्स ने उनके इंटरफेथ रिलेशनशिप को 'लव जिहाद' तक कह दिया। अब लेखा ने इस पूरे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। इंटरव्यू में लेखा ने कहा कि उन्हें ट्रोलिंग से ज्यादा इस बात से परेशानी होती है कि लोगों की नजर में उनकी पहचान सिर्फ एक मशहूर एक्टर की गर्लफ्रेंड तक सीमित है। उन्होंने कहा कि उनका खुद का करियर रहा है, जिसे नजरअंदाज कर दिया जाता है।

प्रीमियर के बाद बढ़ती ट्रोलिंग पर लेखा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बेबाक अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, 'लव जिहाद...जाहिर है ये मुझ पर किया जा रहा है। मैं पार्ट बर्मी, इटालियन, पंजाबी हूं। साउथ इंडिया में पली-बढ़ी हूं, नॉर्थ इंडिया शिफ्ट हुई। मेरे पिता रोमन कैथोलिक हैं, लेकिन एग्नॉस्टिक सोच रखते हैं। जिस शख्स के साथ मेरा नाम जोड़ा जा रहा है, उनके पिता पार्ट हिंदू, पार्ट स्कॉटिश हैं और मां मुस्लिम हैं। और लोग कह रहे हैं 'लव जिहाद हो रहा है।' मैं कहती हूं - नहीं, मैं तो लाइट्स बनाती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी वीडियो को नफरत और बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया जाना, उस हर चीज के खिलाफ है जिसके लिए मैं खड़ी हूं। ऐसी बेतुकी बातों से निपटने के लिए ह्यूमर सबसे अच्छा तरीका है। सच में, इस पूरी स्थिति को हल्का बनाकर ही जवाब देना चाहिए।'

मैं बहुत लकी हूं

अपने रिश्ते पर हो रही टिप्पणियों के बारे में लेखा ने कहा कि उनका और उनके पार्टनर का परिवार, दोनों ही खुले विचारों वाले बैकग्राउंड से आते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं रोज देखती हूं कि अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े, क्रिएटिव और दयालु लोग कैसे एक-दूसरे का खूबसूरती से साथ देते हैं। मैं बहुत लकी हूं।'

कब से रिलेशनशिप में हैं इमरान और लेखा?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा 2020 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे। खबरों के अनुसार, उन्होंने मुंबई के बांद्रा इलाके में समुद्र किनारे एक अपार्टमेंट लीज पर लिया है, जो निर्देशक करण जौहर का बताया जा रहा है। इस घर का किराया करीब 9 लाख रुपये प्रति महीना है। इससे पहले इमरान बांद्रा के पाली हिल स्थित अपने बंगले में रहते थे।

लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं, कंगना से झगड़े पर बोलीं तापसी

तापसी पन्नू और कंगना रनौत बॉलीवुड की दो ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होने के बावजूद अपनी दम पर अपनी पहचान बनाई है। दोनों ही अपनी दमदार एक्टिंग के लिए भी सुर्खियां बटोरती हैं। लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट भी काफी पुरानी है और अक्सर चर्चा में भी रहती है। हालांकि, तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा या मनमुटाव नहीं है। यहीं नहीं वो कंगना को अपना सीनियर बताते हुए उनसे दोस्ती करने को भी तैयार हैं।

मैंने कभी लड़ाई की ही नहीं

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने कंगना के साथ अपने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंगना की बहन द्वारा तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी', 'बी ग्रेड एक्ट्रेस' और 'शी-मैन' कहने के बाद ये विवाद शुरू हुआ था। हालांकि, इस विवाद पर अब तापसी का कहना है कि उन्होंने कभी झगड़ा शुरू नहीं किया और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी लड़ाई की है या नहीं। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।

मुझे सस्ती कॉपी कहे जाने पर कोई दिक्कत नहीं

कंगना की सस्ती कॉपी वाली टिप्पणी पर तापसी ने कहा कि उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती नकल' कहा। उनका कहना था कि चूंकि मैं यहां उतनी कमाई नहीं करती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह (कंगना रनौत) इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, तो मुझे उनकी नकल कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल सकते हैं, मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं तापसी पन्नू

बातचीत के दौरान जब यह कहा गया कि अगर तापसी और कंगना रनौत जैसी दो शानदार एक्ट्रेस एकसाथ आएंगी, तो वाकई कमाल हो जाएगा। इस पर तापसी ने कहा कि बिल्कुल ऐसा हो सकता है। शायद कोई है जो ये नहीं चाहता कि दो अच्छी एक्ट्रेस एक साथ काम करें। मुझे नहीं पता किसी ने उन्हें क्या बताया है। जबकि हम दोनों ही आउटसाइडर हैं, हम दोनों ही एक ही बात कहते हैं। इस दौरान कंगना से दोस्ती करने के सवाल पर तापसी पन्नू ने स्पष्ट कहा कि मैं तैयार हूं। वो (कंगना) मुझसे सीनियर हैं और मुझे उनके साथ काम करने या दोस्ती करने में कोई दिक्कत नहीं। हालांकि, तापसी ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकतीं कि कंगना उनसे क्या कहेंगी, लेकिन उनकी तरफ से उनका रुख स्पष्ट है।

आपस में भिड़ते हैं आउटसाइडर

जब तापसी से पूछा गया कि क्या उनके झगड़े से नेपोटिज्म के विवाद के दौरान स्टार किड्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ? तो तापसी ने कहा कि मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को तो किसी न किसी तरह से फायदा जरूर हुआ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी सिर्फ इनसाइडर और आउटसाइडर तक ही सीमित नहीं है। आउटसाइडर भी अक्सर एक ही बात करते हैं और अपनी चुनौतियों के बारे में बात करने के बावजूद एक-दूसरे का साथ नहीं देते। लोग अक्सर आउटसाइडर होने का रोना रोते हैं, लेकिन एकजुट होने के बजाय आपस में ही लड़ते रहते हैं।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267